दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कार्तिक आर्यन की फिल्म तू मेरी मैं ...8

बलरामपुर

शनिवार, 21 फरवरी 2026

वर्ष: 05 अंक : 140 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

होली से पहले योगी सरकार का शिक्षामित्रों को तोहफा

अब अप्रैल से हर महीने मिलेंगे 18000 रुपये

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश का लाखों शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों को होली पर बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में कार्यरत शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों का मानदेय लगभग दोगुणा कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बजट सत्र के समापन पर विधान सभा सदस्यों को संबोधित करने के दौरान इसकी घोषणा की। अप्रैल माह से शिक्षामित्रों को मानदेय के रुप में प्रतिमाह 18000 रुपये मिलेंगे। इनको अभी तक 10000 रुपया मिलता है। इसी तरह से अनुदेशकों को प्रतिमाह 17000 रुपये मिलेंगे। अभी इनको नौ हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है। इसके साथ ही इनको भी पांच लाख रुपये कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को अप्रैल से 18000 रुपये मानदेय मिलेगा। समाजवादी पार्टी के सदस्यों से उन्होंने कहा कि आप शिक्षामित्र को 3000 रुपये देते थे। हमने इसको पहले 10000 और अब 18000 कर दिया है। उन्होंने कहा कि विकास खंडों में कस्तूरबा विद्यालय के लिए 580 करोड़ की व्यवस्था की गई और सीएम कंपोजिट विद्यालय के लिए 2382 करोड़ की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस बार रानी लक्ष्मीबाई योजना से बेटियों को स्कूटी देने जा रहे हैं। इसके तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली लड़कियों के लिए 400 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारों में प्राइवेट विश्वविद्यालयों को लेकर भेदभाव होता था, लेकिन हमारी सरकार में ऐसा नहीं है। हमने पॉलिसी बना दी है। जो उस मानक को पूरा करेगा, उसे हम मान्यता देंगे। पहले छह कमिश्नरी ऐसी थीं, जिसमें कोई विश्वविद्यालय नहीं था। अलीगढ़, मिर्जापुर, देवीपाटन, सहारनपुर,आजमगढ़ कमिश्नरी में कोई विश्वविद्यालय नहीं था। हमने सभी जगहों पर विश्वविद्यालय बनाने का काम किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के शासनकाल में शिक्षा में ड्रॉप आउट रेट लगभग छह था। आज हम इसे 0–3 पर ले आए हैं। अब आठ हजार न्याय पंचायत तक कंपोजिट विद्यालय ले जाने का लक्ष्य है। पहले हर विधानसभा में एक–एक, फिर हर ब्लॉक में फिर हर न्याय पंचायत तक ले जाएंगे। जहां एक ही छत के नीचे 12वीं तक की पढ़ाई और कौशल विकास प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शौचालय, पेयजल की व्यवस्था न होने से बच्चियां स्कूल छोड़ देती थीं। हमने हर स्कूल में इनकी सुविधा दी। इससे ड्रॉप आउट रेट कम हुआ। फटा कुर्ता पहनकर, नंगे पैर, फटा बैग लेकर बच्चे स्कूल जा रहा था। जब हमने उसे पैसा देना चाहा तो उसने नहीं लिया। उसने बताया कि भाई है लेकिन वह निजी स्कूल में जाता है। ये कहानी सुनकर हमने प्रदेशभर में हर बेटी को दो जोड़ी ड्रेस, सूज, बैग देने की व्यवस्था की।

जम्मू–कश्मीर में अब योगी मॉडल?

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बोले– आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए गंभीर कार्रवाई का वादा किया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लहजे की याद दिलाते हुए अपनी बात रखी। सभा को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा हम राष्ट्र के विरुद्ध षड्यंत्र रचने वालों और आतंकवादियों का समर्थन करने वालों को ऐसी सजा देंगे कि उनकी आने वाली सात पीढ़ियां इसे याद रखेंगी।"

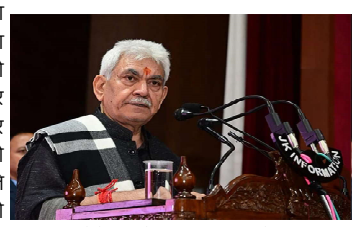

उन्होंने आगे कहा, "हम ऐसी स्थिति पैदा करेंगे कि आतंकी तंत्र दया की भीख मांगने पर मजबूर हो जाएगा। हम आतंकवाद को कुचल देंगे। केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादी गतिविधियों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एलजी की ये टिप्पणियां आईं, जिसमें सिन्हा ने आतंकी नेटवर्क और उनके सहयोगियों के प्रति शून्य–सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाने का संकेत दिया। कश्मीरी पंडितों को श्रद्धांजलि: सिन्हा ने कश्मीरी पंडितों के जुझारूपन को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें दशकों पहले घाटी छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा, "कश्मीरी पंडितों ने अकल्पनीय और अनगिनत कठिनाइयों का सामना किया है। अपने घर से विस्थापित होने के बावजूद, वे फिर से उठ खड़े हुए हैं और सफलता के नए मुकाम हासिल किए हैं। उन्होंने तमाम मुश्किलों के बावजूद अपनी परंपराओं, संस्कृति और धर्म को जीवित रखा है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों के दुख–दर्द को दुष्प्रचार करार देने वालों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, "कश्मीरी पंडितों ने नरसंहार का सामना किया है। पिछले 37 वर्षों में उनकी दुर्दशा पर कई किताबें प्रकाशित हुई हैं और कुछ फिल्में भी बनी हैं।

आतंकी मामलों की पुन: जांच

उपराज्यपाल ने आतंकी मामलों की पुनः जांच करने की योजना की घोषणा करते हुए कश्मीरी पंडितों के विरुद्ध अत्याचार करने वालों को दंडित करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम आतंकी मामलों की पुनः जांच करेंगे और कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार करने वाले दोषियों को दंडित करेंगे।

सीएम योगी बोले– एसपी सरकार में बैंक कर्ज नहीं देते थे

अब बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर बहस के दौरान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य की प्रगति पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निरंतर विकास कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछली सरकारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश की स्थिति को

याद कीजिए। बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े कार्यों के लिए बड़े लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। पहले तो कोई बैंक या संस्था उत्तर प्रदेश को ऋण देने तक को तैयार नहीं होती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। विधानसभा के बजट सत्र में ब्ड योगी ने कहा कि मुझे लगा कि नेता प्रतिपक्ष उम्र के हिसाब से आंकड़ों में घाल मेल नहीं करेंगे। मुझे लग रहा हैं कि आप पर चच्चू का प्रभाव आ गया है। 2016–17 में 4.39: राज कोष में घाटा था, आज 2.97: हैं। हमारा वित्तीय प्रबंधन काफी बेहतर हैं, इसलिए देश भर के बैंकर्स यूपी पर भरोसा करते हैं।

जब घड़ी नहीं थी, तब थी जरूरत, रमजान में लाउडस्पीकर पर योगी सरकार का डवइपसम वाला तर्क

उत्तर प्रदेश सरकार ने रमजान के दौरान मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। सरकार का कहना है कि ध्वनि प्रतिबंधों संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश बिना किसी अपवाद के लागू रहेंगे। राज्य विधानसभा में शून्यकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक कमल अख्तर ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से मस्जिदों को सेहरी और इफ्तार के समय संक्षिप्त घोषणाएं करने की अनुमति देने की अपील की। ध्यरमजान गुरुवार से शुरू हो गया है। कमल अख्तर ने तर्क दिया कि इस तरह की घोषणाएं परंपरागत रूप से मस्जिदों से की जाती रही हैं और अन्य धार्मिक त्योहारों की तरह ही इस संबंध में भी समान विचार करने का अनुरोध किया। हालांकि, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अख्तर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि रात 10रू00 बजे के बाद लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध सरकार ने नहीं बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने लगाया है।

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन

यूथ कांग्रेस बोली– हम राहुल गांधी के सिपाही, डरेंगे नहीं

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने आज एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में शर्टलेस प्रदर्शन करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन देश भर के बेरोजगार युवाओं के गुस्से को दर्शाता है। एएनआई से बात करते हुए चिब ने कहा कि आज युवा कांग्रेस के सदस्य एआई समिट में गए और श्प्रधानमंत्री भ्रष्ट हैंश् के नारे लगाए। यह गुस्सा सिर्फ हमारे युवा कांग्रेस सदस्यों का नहीं है। यह आज के हर बेरोजगार युवा का है, और उनमें से हर एक जानता है कि हमारे प्रधानमंत्री भ्रष्ट हैं। भानु ने

आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों और नागरिकों को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता हमारे किसानों और लोगों को नुकसान पहुंचाएगा। इससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। उनकी आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है। हमारे देश में लोकतंत्र है। हम कहीं भी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस के कानूनी कार्रवाई की जानकारी देने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चिब ने कहा कि पार्टी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि हमारे युवा कांग्रेस के साथी राहुल गांधी के सिपाही हैं। वे डरेंगे नहीं। जब राहुल गांधी के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं थी, तब भी ईडी का मामला कई सालों तक चलता रहा। उन्हें कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया। उन्होंने भाजपा पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि युवा कांग्रेस अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। चिब ने आगे कहा कि भाजपा चाहे जो भी करे, लेकिन हम संविधान के सिपाही हैं, राहुल गांधी के सिपाही हैं। हम पीछे नहीं हटेंगे। हम देश के युवाओं के लिए आवाज उठाएंगे। आज सुबह युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिखर सम्मेलन स्थल के बाहर बिना शर्ट के प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं के नारे लगाते हुए आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी का बड़ा हमला

बोले– अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं प्रधानमंत्री

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में इस्तेमाल किए गए अपने जिउ–जित्सु के उदाहरण को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक पकड़ और दबाव में फंसे हुए हैं, जो जनता को दिखाई नहीं देते। ग पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए गांधी ने उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि मैंने संसद में अपने भाषण में जिउ–जित्सु का उदाहरण क्यों दिया। मैंने पकड़ और दबाव का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ–जित्सु खेल में होते हैं और इसी तरह प्रतिद्वंद्वी को

नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में भी इसी तरह के तरीके मौजूद हैं, लेकिन जनता को दिखाई नहीं देते। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राजनीतिक पकड़ और दबाव ज्यादातर छिपे रहते हैं। आम आदमी उन्हें देख नहीं पाता। और यह देखने के लिए कि दबाव कहां लगाया जा रहा है, आपको ध्यान से देखना होगा। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई दबावों के बीच फंसे हुए हैं। अमेरिका में अडानी मामले और एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय नाम उन फाइलों से जुड़े हैं जिन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। गांधी ने कहा कि एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है, और दूसरी तरफ अमेरिका। और हमारे प्रधानमंत्री इन दोनों के बीच फंसे हुए हैं। वे फँसे हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से कायम है और उस छवि पर नियंत्रण भारत के बाहर के लोगों के हाथों में है।

सीएम योगी शनिवार को देंगे 460 करोड़ की सौगात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को उत्तर प्रदेश के किसानों को बड़ा तोहफा देंगे। मुख्यमंत्री किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों व आपदा मित्रों को जीवन बीमा के तहत राशि प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल से ही बागपत, शामली, कासगंज व भदोही के उप कृषि निदेशक कार्यालय तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही मऊरानीपुर झांसी में 50 शैया के छात्रावास भवन तथा लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी करेंगे।

मनसुख–पर्यटन पर निकले सीएम योगी ? अखिलेश ने जापान दौरे को लेकर कसा तंज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री को अपनी आगामी जापान यात्रा में क्योटो जरूर जाना चाहिए और समझना चाहिए कि सरकार वाराणसी का विकास उसी तर्ज पर क्यों नहीं कर पाई। ग पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर आप जापान जा रहे हैं, तो क्योटो जरूर जाएं, ताकि आप समझ सकें कि प्रधान–संसदीय क्षेत्र काशी क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया, या इसकी विरासत कैसे धूमिल हुई। विरासत संरक्षण और शहरों के विकास के सकारात्मक सबक लेकर जापान से लौटें। आगे कटाक्ष करते हुए यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मौजूदा कार्यकाल के आखिरी साल में मनसुख–पर्यटन चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैर, अब उनके कार्यकाल के अंतिम पड़ाव में, उनके आखिरी साल मेंकृकौन कह सकता है कि हम जापान का ठीक से अध्ययन भी कर पाएंगे, किसी ठोस योजना को तैयार करना तो दूर की बात है। यह मुख्यमंत्री का "मनसुख–पर्यटन" हैकृअगर वे इसे स्वीकार करते हैं, तो कम से कम लोग उन्हें जाने से पहले एक सच बोलने के लिए याद रखेंगे। क्या वे सिर्फ "वनस्पति के विशेष अध्ययन" का निजी लाभ उठाएंगे, या इसे अपने करीबियों के साथ भी साझा करेंगे?

एआई समिट में कांग्रेस के हंगामे पर भड़के राजनाथ

कहा– अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को किया शर्मसार

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ शर्टलेस विरोध प्रदर्शन किया, एआई इम्पैक्ट समिट की आलोचना की और प्रधानमंत्री पर समझौते में शामिल होने का आरोप लगाया। इसके बाद से भाजपा लगातार कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट के जरिए कांग्रेस की जमकर आलोचना की। राजनाथ ने एक्स पर लिखा कि जब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना। राजनाथ ने आगे लिखा कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूँ। उन्होंने कहा कि जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई

देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता भली–भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार–बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में सिर्फ अपनी कमीजें ही नहीं उतारीं, बल्कि उन्होंने यह भी उजागर कर दिया कि कांग्रेस भारत विरोधी है। यह राजद्रोह है। यह हमारे देश की छवि के साथ खिलवाड़ है। मैं सोनिया गांधी जी और मल्लिकार्जुन खरगे जी से पूछना चाहता हूं, क्या उनके लिए राजनीति देश से बड़ी है? क्या उन्होंने देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करने के लिए कोई गुप्त समझौता किया है? क्या यही कांग्रेस का असली चेहरा है? जनता इसे माफ नहीं करेगी। तरुण चुघ ने कहा कि भारत की छवि धूमिल करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अपराध अक्षम्य है। देश की जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी... राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी विदेशी हथकंडों का इस्तेमाल करते हुए हर तरह की घिनौनी साजिश रचती रहती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पर शर्म आती है, राहुल गांधी के निर्देश पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन में हंगामा किया! भारत विरोधी कांग्रेस! कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस शहरी नक्सलियों की तरह व्यवहार कर रही है।

बेरोजगारी भत्ता नहीं देगी सरकार, युवाओं को बना रहे आत्मनिर्भर: श्रम मंत्री अनिल राजभर

लखनऊ। विधान सभा में शुक्रवार को मुख्य विपक्षी दल सपा ने बेरोजगारी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। प्रश्नकाल के दौरान सपा ने पूछा कि जब सरकार पर्याप्त नौकरियां नहीं दे पा रही है तो क्या पूर्व की सरकार की तरह बेरोजगारी भत्ता देने पर विचार करेगी? इस पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने जवाब दिया कि 'सरकार कोई बेरोजगारी भत्ता देने नहीं जा रही है।

सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। बेरोजगारी भत्ता अस्थायी समाधान हो सकता है लेकिन स्थायी समाधान रोजगार सृजन है।'

राष्ट्रीय संत गाडगे जी महाराज की 150वीं जयंती 23 फरवरी को धूमधाम से मनाई जाएगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। ऑल इंडिया दलित एक्शन कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीन चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छता अभियान के जनक राष्ट्रीय संत गाडगे जी महाराज की 150वीं जयंती 23 फरवरी को बस्ती जिले सहित पूरे प्रदेश में बड़े ही धूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि धोबी समाज में जन्मे गाडगे जी महाराज ने समाज सुधार, स्वच्छता, शिक्षा और समानता के लिए जीवनभर कार्य किया, जिनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रदेश स्तर पर यह कार्यक्रम विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में विश्व सुरैया हाल सभागार में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा पंकज चौधरी उपस्थित रहेंगे। वहीं लखनऊ के मलिहाबाद स्थित कनौजिया सिटी में भी माननीय सोनू कनौजिया की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीन चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं व युवाओं से अपील करते हुए कहा कि गाडगे जी महाराज के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक लोग कार्यक्रमों में सहभागिता करें तथा प्रत्येक जिले और तहसील स्तर पर जयंती समारोह भव्य रूप से आयोजित करें।

दबंगों ने घर में घुसकर मारा पीटा, बंद करा दिया खिलौने की दूकान, पीड़ित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के चिकवा टोला निवासी गुलजार अहमद पुत्र इजहार अहमद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपनी दूकान और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में गुलजार अहमद ने कहा है कि चिकवा टोला निवासी अफजल गुरू पुत्र मास्टर शमी आपराधिक किस्म का व्यक्ति और हिस्ट्रीशीटर है और वह जबरिया दूकान से रंगदारी वसूलना चाहताब है। गुलजार अहमद मोहल्ले में ही खिलौने की दूकान चलाते हैं। रंगदारी न देने पर अफजल गुरू और उनके साथियों ने खिलौने की दूकान बंद करने की धमकी दिया और उनके भाई मजहर को बुरी तरह से मारा पीटा। इस मामले में गुलजार अहमद के पिता इजहार अहमद ने पुरानी बस्ती थाने में इम्तियाज और गयासुद्दीन के विरूद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कराया। अपने भाई इम्तियाज और गयासुद्दीन के विरूद्ध मुकदमा दर्ज होने से नाराज अफजल गुरू ने पहले तो मुकदमा वापस लेने के लिये दबाव बनाया किन्तु जब गुलजार अहमद आदि ने इंकार कर दिया तो 6 फरवरी की रात में अफजल गुरू अपने गुर्गो के साथ घर पर चढ आया और गुलजार अहमद, उनके पिता इजहार अहमद, माता, बहन, भाई आदि को बुरी तरह से मारा पीटा और धमकी दिया कि कहीं थाना पुलिस में जाओगे तो अंजाम बुरा होगा। मोहल्ले वालों ने आकर किसी तरह परिवार की जान बचाया। गुलजार अहमद ने दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, गिरफ्तारी और अपने खिलौने की दूकान, परिजनों के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसडीएम व सीओ ने जुलूस मार्ग पर किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आगामी होली आदि त्यौहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने कस्बे में जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आम जनमानस से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। शुक्रवार को विवेकानंद मिश्रा (उपजिलाधिकारी) एवं मयंक द्विवेदी (क्षेत्राधिकारी) ने स्थानीय पुलिस बल के साथ शोहरतगढ़ कस्बे में निकलने वाले जुलूस मार्ग टाउन एरिया, गोलघर, भारत माता चौक, प्रेम गली, पुलिस पिकेट आदि मार्गो पर पैदल गस्त किया। इस दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मौजूद पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि जुलूस के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से शांति, सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें, जिससे त्यौहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस दौरान इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद प्रतिनिधि राजकुमार मोदनवाल, का. दिनेश यादव, का. प्रभाकर यादव आदि मौजूद रहे।

आरोपों के घेरे में आये प्रधान प्रतिनिधि और ग्राम सचिव

ग्राम सभा की चारागाह भूमि पर अवैध अमृत सरोवर निर्माण, मनरेगा में फजह्न भुगतान और विकास कार्यों में भारी अनियमितताओं के आरोप लगे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद से भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है, जहां ग्राम सभा की चारागाह भूमि पर अवैध अमृत सरोवर निर्माण, मनरेगा में फर्जी भुगतान और विकास कार्यों में भारी अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। आरोपों के घेरे में प्रधान प्रतिनिधि और ग्राम सचिव बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी अनुसार बहराइच जिले के विकास खंड फखरपुर अंतर्गत ग्राम सभा टेंडवा अल्पी मिश्र का है।ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम प्रधान तुलसीराम जी काफी बुजुर्ग और अशिक्षित हैं, जिसका फायदा उठाकर उदयराज वर्मा ने खुद को प्रधान प्रतिनिधि घोषित कर दिया और पूरे कार्यकाल में सरकारी योजनाओं में मनमानी करते हुए धन का दुरुपयोग किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर सरकारी पैसा अपने परिवार और करीबी लोगों के खातों में ट्रांसफर कराया गया। ग्राम सभा में लगे हैंडपंप खराब हालत में हैं, जबकि कागजों में मरम्मत और नए निर्माण दिखाए गए हैं। वहीं इंटरलॉकिंग सड़क के नाम पर खड़ंजा डालकर सरकारी धन का बंदरबांट करने का आरोप भी लगाया गया है। सबसे गंभीर आरोप मनरेगा योजना में सामने आया है, जहां ऐसे लोगों के नाम भुगतान किया गया है जो कभी काम पर गए ही नहीं। इतना ही नहीं, 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के नाम भी फर्जी तरीके से मनरेगा का पैसा निकाले जाने का आरोप है। इसके अलावा ग्राम सभा की सुरक्षित चारागाह भूमि, गाटा संख्या 215(ख), जिस पर पशुओं के चरने के लिए भूमि सुरक्षित थी, उसी पर अमृत सरोवर का निर्माण करा दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण पूरी तरह नियमों के विरुद्ध है और इसमें सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। पीड़ित ग्रामीण नीरज कुमार पाठक ने जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच और दोषियों से सरकारी धन की रिकवरी की मांग की है। गांव में बहुत भ्रष्टाचार हुआ है, जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे या नहीं।

वशिष्ठ धाम को अयोध्या धाम से जोड़ा जाए–जगद्गुरु रामभद्राचार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में शुक्रवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरु वशिष्ठ रामायण कथा के तीसरे दिन अपने पैतृक गांव बढ़नी मिश्र में गुरू वशिष्ठ, माता अरून्धती, श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और अन्य देवी देवताओं के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की। जगदगुरु रामभद्राचार्य जी ने पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा व बस्ती की डीएम .त्तिका ज्योत्सना से कहा की वशिष्ठ धाम को अयोध्या धाम से जोड़ा जाए वशिष्ठ धाम को पर्यटन से जोड़ा जाए। कहां कि बढ़नी मिश्रा के लोग हमारा परिवार है, वशिष्ठ आश्रम पर हमारे लिए कुटी बनाई जाए ताकि जब मेरा मन कर मैं अपने परिवार के बीच इस कुटी में आकर रह सकूं। उन्होंने कहा की चित्रकूट की तरह गुरुकुलम की एक शाखा वशिष्ठ धाम में भी खुले वह वशिष्ठ जी की तरह चारों चारों भाइयों को बैठाकर उनसे संवाद कर रहे थे। आचार्य प्रभाकर मिश्र, नीरज परासर, मोहितदास, जितेन्द्र तिवारी, संजय तिवारी, हर्ष मिश्र, हरदेव वशिष्ठ, वेणु गोपाल, श्रीधर अधिकारी और राकेश अग्निहोत्री ने जगदगुरु रामभद्राचार्य जी के मार्ग दर्शन में वशिष्ठ धाम मंदिर में विधि विधान से मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सम्पन्न कराया। तीसरे दिन गुरु वशिष्ठ रामायण कथा को विस्तार देते हुये जगदगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि श्री राम अपने भाइयों के साथ बचपन में ऋषि वशिष्ठ आश्रम गए थे ताकि शिक्षा प्राप्त कर सकें, राजपरिवार के कर्तव्यों को सीख सकें और अवध के आदर्श भावी राजा बनने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। बाद के जीवन में भी रामजी अपने जीवन में आने वाली किसी भी शंका, उलझन या समस्या के समाधान के लिए वशिष्ठ के निरंतर संपर्क में रहते थे। श्री राम के परिवार के राजपुजारी होने के नाते वशिष्ठ का भावी राजा की सहायता करना नैतिक कर्तव्य था। वे भारत के सात महान ऋषियों में से एक थे। उन्होने श्री गुरु वशिष्ठ महिमा के अनेक प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को अनेक पौराणिक जानकारी दिया।कथा के तीसरे दिन हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला भी पहुंचे। आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह, नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने गुरुकुल निर्माण के लिये 1 लाख 51 हजार रूपये की राशि गुरु चरणों में समर्पित किया। मुख्य यजमान चन्द्रभूषण मिश्र, सतीश मिश्र, शिवपूजन श्रीवास्तव, शशिकान्त मिश्र, आशुतोष मिश्र, शरद श्रीवास्तव ने विधि विधान से चरण पादुका का पूजन किया। श्री गुरु वशिष्ठ राम कथा की सांस्तिक संध्या में धनुषधारी चतुर्वेदी के भजनों ने कथा पंडाल के सभी श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया ,साथी कलाकार सत्यम सिंह के भावपूर्ण भजनों ने सबको भाव रुपी रस का श्रवण पान कराया! सरस्वती बालिका विद्या मंदिर रामबाग बस्ती के बाल कलाकारों ने प्रभु राम की जीवन यात्रा पर सुंदर सी नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। राम आए हैं वशिष्ठ नगरी, बाल कलाकार अंशिका मौर्य, वैष्णवी मिश्रा, आरोही पाठक, आराध्या त्रिपाठी, श्रद्धा चौधरी, वैष्णवी मिश्रा, दीपिका चौबे, एकता शुक्ला,रक्षिता पांडे, आभ्या शुक्ला, सृष्टि तिवारी, दिव्यांशी पाण्डेय, ,प्रज्ञा पाण्डेय,,आराध्या मिश्रा, अवंतिका पाठक ,अदिति द्विवेदी, निधि चौधरी,प्रीति यादव ,सौम्या त्रिपाठी, रचित पांडे, श्रेया शुक्ला,शीतल, आदि ने प्रस्तुति दी। कथा के तीसरे दिन अयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष नगर श्रीमती नीलम सिंह 'राना' , भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, रघुनाथ दास शास्त्री, वृजेन्द मिश्र, उमाशंकर मिश्र, आशीष मिश्र, सुधांशु मिश्र, केसरीनन्दन मिश्र, नीतिका त्रिपाठी, वृजेश कुमार, संतोष मिश्रा, आलोक मिश्रा, विकास मिश्रा, संजय मिश्रा, विशाल यादव , नीतीश पाण्डेय, अवधेश मिश्रा , मास्टर शिव के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

उच्च न्यायालय के दिशा निर्देश पर जिला जज व डीएम की सहमति से होगी छुट्टियां

कुशीनगर। जनपद न्यायाधीश संजीव कुमार त्यागी ने बताया कि उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा जनपद न्यायालयों के प्रयोग हेतु जारी कैलेण्डर वर्ष 2026 में निर्देशित किया गया है कि जनपद न्यायाधीश पाँच दिन का स्थानीय अवकाश जिला मजिस्ट्रेट से विचार–विमर्श करके निश्चित एवं घोषित करेंगे। यदि कैलेण्डर में वर्णित कोई राष्ट्रीय ६ अन्य अवकाश, द्वितीय शनिवार या रविवार को पड़ता है, तो जनपद न्यायाधीश उसके स्थान पर अतिरिक्त दिवस को अवकाश के रूप में घोषित कर सकते हैं। जनपद सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन, कुशीनगर स्थान पडरौना द्वारा जनपद न्यायालय कुशीनगर में स्थानीय अवकाश घोषित करने के संदर्भ में प्रेषित प्रस्ताव दिनांकित 20.01.2026 पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर से विचार–विमर्श करके जनपद न्यायालय, कुशीनगर में निम्नलिखित स्थानीय अवकाश निश्चित एवं घोषित किया जाता है रू– दिनांक 05.03.2026 दिन वृहस्पतिवार होली अवकाश के साथ दिनांक 20.03.2026 दिन शुक्रवार अलविदा (रमजान महीने का अन्तिम शुक्रवार) दिनांक 28.08.2026 दिन शुक्रवार रक्षाबंधन दिनांक 19.10.2026 दिन सोमवार महानवमी (दशहरा के पूर्व) दिनांक 10.11.2026 दिन मंगलवार दीपावली अवकाश के साथ दिनांक 11.11.2026 दिन बुधवार दीपावली अवकाश के साथ (महाशिवरात्रि अवकाश दिनांक 15.02.2026 रविवार को पड़ने के स्थान पर) दिनांक 16.11.2026 दिन सोमवार सूर्यषष्टी (छठ) अर्घ (दीपावली अवकाश दिनांक 08.11.2026 रविवार को पड़ने के स्थान पर) उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्देशानुसार चतुर्थ शनिवार दिनांक 28.03.2026 एवं 25.04.2026 को जनपद न्यायालय, कुशीनगर में न्यायिक कार्य दिवस रहेगा।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सडन, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे–धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे–धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती हैय ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन हो चुकी है। दांतों में सडन के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन पैदा करने के लिए काफी हैं।

आयुर्वेद में दांतों की सडन से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो–कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी हैय इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी बेरेट, इन 5 तरीकों से बनाएं स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों में ठंड से बचने और खास दिखने के लिए लोग ऊनी बेरेट पहनना पसंद करते हैं। यह न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकती है। ऊनी बेरेट में कई डिजाइन और रंग उपलब्ध रहते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ बेहतरीन ऊनी बेरेट स्टाइल्स पर चर्चा करेंगे, जो कपड़ों की अलमारी में शामिल करने लायक हैं।

क्लासिक सुनहरी बेरेटः क्लासिक सुनहरी बेरेट हर किसी के पास होनी ही चाहिए। यह किसी भी पोशाक के साथ आसानी से मेल खा सकती है, चाहे वह सूट हो या जींस। सुनहरी रंग की बेरेट आपको एक शाही अंदाज दे सकती है और इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इसे आप सफेद या काले रंग के सिंपल कपड़ों पर स्टाइल कर सकती हैं। इससे साधारण कपड़े भी खास लगने लगेंगे और आपका लुक निखर जाएगा।

लाल रंग की बेरेटः लाल रंग की बेरेट सर्दियों में एक अलग ही सुंदरता दे सकती है। इस रंग वाली बेरेट हर रंगत वाली महिला पर अच्छी लगती है। लाल रंग की बेरेट को आप सफेद या लाल रंग की पोशाक के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। यह खास तौर से ड्रेस या स्कर्ट टॉप के साथ कमाल की लगेगी। इसे महिलाएं क्रिसमस और वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर स्टाइल करना बहुत पसंद करती हैं।

नीली रंग की बेरेट

नीली रंग की बेरेट भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है, जो आपको एक अलग ही अंदाज देगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। हालांकि, यह सफेद, काले या ग्रे रंग की पोशाक के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगती है। आप जींस टॉप और स्वेटर वेस्ट के साथ इसे स्टाइल कर सकती हैं या फिर ड्रेस और लेगिंग के साथ भी इसका मेल बैठा सकती हैं।

क्रीम रंग की बेरेट

क्रीम रंग की बेरेट एक बहुत ही सुंदर लुक देती है, जो सर्दियों में बहुत ही खास लगता है। हल्का होने की वजह से इसका रंग ज्यादातर कपड़ों के साथ अच्छा लग सकता है। खास तौर से क्रीम, भूरी या फिर गुलाबी रंग की पोशाक के साथ इसका मेल वाकई जबरदस्त लगता है। आप नारंगी और पीच रंग के कपड़ों के साथ भी क्रीम रंग की बेरेट को स्टाइल कर सकती हैं।

काले रंग की बेरेट

काले रंग की बेरेट हमेशा से ही फैशन में रही है और यह एक सदाबहार रंग है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकती हैं, चाहे वह हल्के रंग की हो या फिर गहरे रंगों वाली हो। काले रंग की बेरेट हर मौके पर पहनी जा सकती है और इसमें आपको एक क्लासी लुक मिल सकता है। इसका मेल खास तौर से लाल, मेहरून, ग्रे, नीले, गुलाबी या फिर सफेद कपड़ों के साथ जंचता है।

नवागत ड्रग इंस्पेक्टर का फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने किया जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में नवागत औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) आलोक कुमार त्रिवेदी के आगमन पर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी ने उनका भव्य अभिनंदन किया। जिला अध्यक्ष आशीष पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से आए फार्मासिस्टों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। स्वागत समारोह के पश्चात जिला अध्यक्ष आशीष पाण्डेय की अगुवाई में एक शिष्टाचार बैठक हुई। इस दौरान फार्मासिस्ट हितों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर सार्थक वार्ता की गई। एसोसिएशन ने नवागत ड्रग इंस्पेक्टर को स्थानीय स्तर

पर फार्मासिस्टों को आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया और उनके निराकरण की मांग की। श्री त्रिवेदी ने सभी की बातों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जिला संरक्षक अनिल गुप्ता व तौहीद खान की विशेष उपस्थिति रही। कार्यकारिणी की ओर से जिला महासचिव विकास उपाध्याय, महामंत्री कौलेश्वर चौबे, सचिव सौरभ पाण्डेय, जिला मंत्री दिनेश प्रजापति और कोषाध्यक्ष विकास खटीक ने नवागत अधिकारी का स्वागत किया।बैठक में ये भी रहे मौजूद मीडिया प्रभारी शुभम चतुर्वेदी उपाध्यक्ष व प्रवक्ता आशुतोष चतुर्वेदी एवं शोभनाथ चौधरी संगठन मंत्री दिनेश कुमार तहसील एवं ब्लॉक नेतृत्व प्रभु दयाल शर्मा (अध्यक्ष शोहरतगढ़), रत्नेश पांडे (अध्यक्ष नौगढ़) और रिंकू चौधरी (ब्लॉक अध्यक्ष शोहरतगढ़) कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यकारिणी ने यह संकल्प दोहराया कि वे जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगे। भारी संख्या में फार्मासिस्ट साथियों की उपस्थिति ने संगठन की एकजुटता को प्रदर्शित किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा: जिलाधिकारी ने दीनबन्धु इंटर कॉलेज का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में शुक्रवार, 20 फरवरी को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान दीनबन्धु इन्टर कालेज, नदांव का औचक निरीक्षण किया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का लिया जायजा निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सीधे कॉलेज के सीसीटीवी कैमरा कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने वहां स्थापित मॉनिटरों का गहनता से अवलोकन किया और पाया कि सभी परीक्षा कक्षों के कैमरे पूरी तरह क्रियाशील हैं और कंट्रोल रूम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। ध्कल विहीन परीक्षा के कड़े निर्देश जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक एवं प्रधानाचार्य को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया किरू परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, नकल विहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाए। ध्बाहरी तत्वों के प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी रहे। शासन द्वारा जारी गाइडलाइंस का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी के इस आकस्मिक दौरे से परीक्षा केंद्रों पर हड़कंप की स्थिति रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नकल की किसी भी कोशिश पर सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हलौरा गौशाला के पास मृतक गौवंश की दुर्गति का वीडियो वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सोशल मीडिया पर एक लावारिस गौवंश की दुर्गति का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामला बढ़नी ब्लॉक के ग्राम पंचायत हलौरा स्थित गौशाला के पास का बताया जा रहा है, जहां लावारिस अवस्था में मृत पड़े गौवंश को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वीडियो प्रसारित होने के बाद मौके पर पहुंचकर जब स्थिति का जायजा लिया गया तो जिम्मेदारों ने घटना को पुराना बताते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही है। इन दिनों बढ़नी ब्लॉक के ग्राम पंचायत हलौरा स्थित गौशाला के बगल लावारिस अवस्था में पड़ी गौवंश की दुर्गति का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित

हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद जब हमारे संवाददाता मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली तो वहां तैनात केयर टेकर कोदई और सोनू ने बताया कि यह घटना करीब 5–6 दिन पुरानी है। उन्होंने बताया कि संबंधित गौवंश लावारिस अवस्था में पड़ा हुआ था, जिसकी जानकारी मिलने पर मानवता के आधार पर गौशाला में कार्यरत कर्मियों के सहयोग से उसे मिट्टी में दफन करा दिया गया। केयर टेकर ने स्पष्ट किया कि मृत गौवंश गौशाला का नहीं था, फिर भी जिम्मेदारी निभाते हुए उसका अंतिम निस्तारण कराया गया।गौवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में केयर टेकर ने बताया कि पशु चिकित्सक डॉ. सूर्य पाल वर्मा द्वारा समय–समय पर गौवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। वर्तमान में एक गाय बीमार है, जिसकी सूचना डॉक्टर को दे दी गई है और उसके उपचार की प्रक्रिया जारी है वहीं, इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव अवधेश यादव ने बताया कि गौवंशों के लिए चारा, भूसा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं और उनकी देखभाल नियमित रूप से की जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय स्तर पर गौवंशों की देखरेख और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कोटिया दीगर एवं परसोहिया नानकार में लगा ग्राम चौपाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्रा०पं० कोटिया दीगर एवं ग्रा०पं० परसोहिया नानकार में गांव की समस्या गाँव में समाधान करने हेतु ग्राम चौपाल लगाया गया। कोटिया दीगर में चौपाल की अध्यक्षता सचिव कुंवर कन्नौजिया ने की तो वहीं परसोहिया नानकार में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी सचिव सन्दीप सरोज ने की। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/जी राम जी (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारियों समेत केंद्र और

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। बी.एल.ओ. बीरेंद्र यादव ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के सजी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा योजना) पर बृहद चर्चा किया गया। इस दौरान कोटिया दीगर गाँव में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में राम नेवास, रोजगार सेवक बाबू लाल आदि मौजूद रहे तो वहीं परसोहिया नानकार गाँव में प्रधान प्रतिनिधि जावेद अहमद, फिरोज खान, पंचायत सहायक प्रियंका जायसवाल, रोजगार सेवक बीरेंद्र यादव, इंद्रजीत पासवान, रहमत अली, अल्ताफ, बबलू, साबिर, मुबारक, ज़रीना, अब्दुल्लाह आदि मौजूद रहे और अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी नदारत रहे।

बूथों पर उपस्थित रहकर एसआईआर कार्य करेंगे सभी बी.एल.ओ.– गौरव श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर 22 फरवरी 2026 को विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 4:30 बजे तक सभी बीएलओ अपने–अपने बूथों पर उपस्थित रहकर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का कार्य करेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिन अर्ह नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो पाया है, वे अपने निकटतम मतदेय स्थल पर पहुंचकर आवश्यक प्रपत्र भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार इस विशेष अभियान दिवस पर सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची एवं आवश्यक प्रपत्रों के साथ अपने–अपने बूथों पर उपस्थित रहेंगे, जिससे नए मतदाताओं का पंजीकरण, नाम संशोधन तथा अन्य आवश्यक कार्य किए जा सकें।इसके अतिरिक्त सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रों में भ्रमण कर विशेष अभियान दिवस को शत–प्रतिशत सफल बनाने हेतु आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने मताधिकार को सुरक्षित करने के लिए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

दिव्यांगजन समावेशन की दिशा में पर्पल फेयर सरकार का सार्थक प्रयास : जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्थानीय लोहिया कला भवन में जिला प्रशासन और सीआरसी गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय ध्पर्पल फेयर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया। समाज में दिव्यांगता के प्रति समझ विकसित करना लक्ष्य जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पर्पल फेयर दिव्यांगता समावेशन की दिशा में सरकार द्वारा चलाया जा रहा एक अत्यंत सार्थक प्रयास है। इसके माध्यम

से न केवल समाज में जागरूकता फैलती है, बल्कि आम जनमानस में दिव्यांगों के प्रति एक बेहतर समझ और संवेदनशीलता विकसित होती है। हमें दिव्यांगजनों के पूर्ण समावेशन के लिए अपना शत–प्रतिशत योगदान देना चाहिए। प्रतिभा का प्रदर्शन और खेलकूद प्रतियोगिताओं में सेंटर और जिला दिव्यांग संस्थान की प्रतिबद्धता उपकरणों का वितरण फेयर में 500 से अधिक दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान सांस्कृतिक एवं खेलकूद दिव्यांग बच्चों और युवाओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनी और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सहायक उपकरण एल्मिको कानपुर के प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए सहायक उपकरणों का मुख्य अतिथि द्वारा वितरण किया गया। प्रतिभागी संस्थाएं समग्र शिक्षा, बचपन डे केयर स्वयंसेवी संस्थाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रशासनिक अधिकारियों की रही गरिमामय उपस्थिति सीआरसी निदेशक जितेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समावेशी समाज के प्रति पुनर्वास केंद्र सहित कई दोहराई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सहित सेवा आयोजन कार्यालय के निदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल समन्वय राजेश कुमार और नागेंद्र पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीआरसी गोरखपुर के समस्त अधिकारी, कर्मचारी और मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षु भी मौजूद रहे।

बरघाट दुर्गा मंदिर में सनातन उद्घोष कथा महोत्सव का छठवां दिन, पार्थिव शिवलिंग पूजन व रुद्राभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर परिसर में कर्मयोगी परिवार के तत्वावधान में श्री आदि शक्ति मां दुर्गा की प्राण–प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे सनातन उद्घोष कथा महोत्सव के छठवें दिन शुक्रवार को धार्मिक उल्लास चरम पर रहा। कथा से पूर्व प्रातःकाल ही आदि शक्ति मां दुर्गा की मूर्ति मिलाप हेतु अयोध्या ले जाई गई। वहीं यज्ञशाला में विधि–विधान से यज्ञ संपन्न कराया गया। इसके उपरांत पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, चेयरमैन धर्मराज वर्मा, चन्द्र प्रकाश वर्मा सहित बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर सामूहिक रुद्राभिषेक किया। छठवें दिन की कथा का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक राजीव नयन ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने साध्वी सरस्वती के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए उन्हें सनातन संस्कृति की सजग प्रहरी बताया।

कथावाचिका साध्वी सरस्वती ने केवट प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता साधु–वेश में गंगा तट पर पहुंचे तो केवट ने पहले भगवान के चरण धोए, फिर उन्हें नाव में बैठाया और उतराई के रूप में केवल राम भक्ति का वरदान मांगा। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने भक्ति, समर्पण और निष्काम सेवा का संदेश दिया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि आज के समय में लोग सुख का मापदंड तन, मन और धन को मान बैठे हैं, जबकि जिसके पास भगवान के नाम का धन है वही वास्तव में सबसे बड़ा धनवान है। उन्होंने रूप के मोह, धन के लोभ और बल के अभिमान से ऊपर उठकर संत–सत्संग के माध्यम से आत्मबोध की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने वेदों का उल्लेख करते हुए कहा कि आनंद ब्रह्म का दूसरा स्वरूप है और जीवन का परम उद्देश्य भी आनंद की प्राप्ति ही है। कथा के समापन पर केवट प्रसंग की भव्य झांकी निकाली गई। इस दौरान पूरा पंडाल मानो अयोध्या नगरी में परिवर्तित हो गया और चारों दिशाओं में जय श्रीराम के जयकारे गूंज उठे। कार्यक्रम में जिला प्रचारक अवनीश, लवकुश ओझा, मधुसूदन अग्रहरि, डा. सीमा मिश्रा, मंटू पाण्डेय, राम प्रमोद यादव, केशव प्रसाद, रामनेवास यादव, जुग्गीलाल चौहान, कुंवर साहब उपाध्याय, शिव कुमार गुप्ता, जुग्गीलाल पासवान, सुनील यादव, मनोहर गौतम, चन्द्रपाल वर्मा, संतोष वर्मा, वीरेंद्र दुबे, झिनकन गौतम, इंद्रजीत यादव, अमित कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र गुप्ता, उदयपाल वर्मा, माधवेंद्र मिश्रा, प्रमोद गौतम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। अब चाहे कोई बड़ा राजनीतिक दल इसमें शामिल क्यों न हो। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया ...

कोर्ट ने कहा–राज्यों के दूरगामी हित देखें

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगले दो–तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है। निस्संदेह, देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत तार्किक प्रश्न पूछा है कि राज्य मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय रोजगार सृजन और कौशल विकास के लिये बजट प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करते? इसमें दो राय नहीं कि रोजगार के नये अवसर पैदा करना जन साधारण के सशक्तीकरण का एक स्थायी रूप है। जो लोगों को स्वावलंबी बनाता है। वहीं दूसरी ओर वोटरों को लुभाने के लिये सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा लगातार जारी की जा रही मुफ्त की योजनाएं लोगों को अकर्मण्य बना देती हैं। लोग परिश्रम से आर्थिक उपलब्धि हासिल करने के बजाय सरकारी सुविधा पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। निस्संदेह,चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। निर्विवाद रूप से सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा इस तरह की सुनियोजित कोशिश विपक्षी दलों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा से वंचित करती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। अब चाहे कोई बड़ा राजनीतिक दल इसमें शामिल क्यों न हो। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। वहीं दूसरी ओर स्वस्थ लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि देश का मतदाता परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करके लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करे।

मुगलकाल में रामकथा और हिन्दू एकीकरण का मार्ग

सनातन यानी शाश्वत। शाश्वत हिंदुत्व है। इतिहास के आईने में मुगलकाल भारतीय इतिहास का वह दौर था जहाँ भारत में एक तरफ राजनीतिक उथल–पुथल थी, तो दूसरी तरफ सांस्:तिक पुनर्जागरण की एक शक्तिशाली लहर चल रही थी। भक्ति दक्षिण से उत्तर के मार्ग पर चल पड़ी थी। कबीर अपनी कविताओं में राम की महिमा का बखान कर चुके थे। सामाजिक सुधार के मार्ग पर कबीर ने राम की महिमा का बोध कराया। इसी कालखंड में गोस्वामी तुलसीदास और उनकी श्रामचरितमानसश ने भी सनातनी समाज को न केवल एक सूत्र में पिरोया, बल्कि एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया जिसने हिंदू चेतना को बिखरने से बचा लिया। गोस्वामी तुलसीदास और रामचरितमानस का उदय एक ऐतिहासिक सामाजिक परिवर्तन और संघर्ष है। मुगल शासक अकबर के समकालीन गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब 1574 ई. (संवत 1631) में अयोध्या मे रामचरितमानस की रचना शुरू की, तब समाज कई चुनौतियों से जूझ रहा था। उन दिनों भाषा का चुनाव एक अहम मसला था। उस समय शास्त्र और ज्ञान की भाषा श्संस्:तश थी, जो आम जनता की पहुँच से बाहर थी। तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को चुना ताकि रामकथा घर–घर पहुँच सके। राम कथा में अभिजात्य बनाम लोक का साहचर्य था। उन्होंने ष्स्वांतरू सुखायष (स्वयं के सुख के लिए) लिखते हुए भी इसे जन–मानस का ग्रंथ बना दिया। ध्यातव्य है कि श्रीचरितमानस ने सनातनी एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। मुगलकाल में हिंदू समाज जाति, पंथ और विभिन्न संप्रदायों (शैव, वैष्णव, शाक्त) में बँटा हुआ था। तुलसीदास ने रामकथा के माध्यम से इन दरारों को भरने का काम किया। शैव और वैष्णव मतों का समन्वय उनका बड़ा प्रयास था। उस समय शिव के उपासकों और विष्णु के उपासकों में भारी मतभेद था। तुलसीदास ने रामचरितमानस में भगवान राम से कहलवायारू ष्शिव द्रोही मम दास कहावा, सो नर मोहि सपनेहुँ नहिं पावा।ष अर्थात जो शिव का द्रोह करके मेरा भक्त कहलाना चाहता है, वह मुझे सपने में भी प्राप्त नहीं कर सकता। सगुण और निर्गुण का मेल भी गोस्वामी जी का लक्ष्य था। मध्यकाल में कबीर जैसे संतों का श्निर्गुणश मार्ग और सूरदास जैसे संतों का श्सगुणश मार्ग अलग–अलग दिशाओं में था।तुलसीदास ने यह कहकर दोनों को एक कर दिया कि ष्अगुनहि सगुनहि नहिं कछु भेदाष अर्थात सगुण और निर्गुण में कोई भेद नहीं है। गोस्वामी जी ने शुरू से लेकर अंत तक सामाजिक समरसता का ध्यान रखा है। रामकथा के माध्यम से उन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी सम्मान दिया। केवट प्रसंग को ही देखिए। प्रभु राम का निषादराज को गले लगाना जातिवाद पर पहला कुठाराघात था। शबरी प्रसंग को लीजिये। गोस्वामी जी ने जाति–पाति को दरकिनार कर प्रेम को सर्वोपरि बताता है। मुगलकाल की रामकथा केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं थी, बल्कि यह एक सांस्:तिक सुरक्षा कवच थी। इसने खंडित होते समाज को श्रामश के नाम पर एकजुट किया और सनातनी मूल्यों को आधुनिक युग तक सुरक्षित पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया। लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी मौसम अनुकूल खेती

यदि देश के कुल अनाज उत्पादन में बड़ी गिरावट आती है, तो इसका असर केवल किसान की आय पर ही नहीं, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा। समझना होगा कि धरती का बढ़ता तापमान हमारे विकास के मश्वडल पर प्रकृति का प्रतिघात है। मिट्टी की नमी को बचाना और बदलती जलवायु के अनुसार खुद को ढालना अब हमारी पसंद नहीं, बल्कि अस्तित्व की मजबूरी है...

जलवायु बदलाव के चलते फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा हो रहा है। इसका प्रभाव गेहूं आदि रबी फसलों व आम की पैदावार पर है। यानी खाद्य सुरक्षा संकट में है। इसका समाधान 'क्लाइमेट स्मार्ट कृषि' में निहित है। यानी इसमें मल्चिंग, माइक्रो सिंचाई व 'हीट टॉलरेंट' किस्में मददगार होंगी। फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और वसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता रहा है। यह वह समय होता है जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने यौवन पर होते हैं। लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार–चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है। इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी श्थर्मल स्ट्रेसश पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में श्फोर्स्ड मेच्योरिटीश कहा जाता है। परिणामस्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और वसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है। किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर–कोस्टर' बना दिया है।

इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है। सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं। आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। इस पैटर्न में भारत के मौसम चक्र से 'वसंत' ऋतु धीरे–धीरे गायब हो रही है। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं। इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है। हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु–अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है।

इसके साथ ही, सूक्ष्म–सिंचाई (ड्रिपध स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानीकृज्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे वायुरोधी अवरोध लगाने चाहिए ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म–पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन–क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम–पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा। ब्लॉक–स्तरीय मौसम परामर्श और सटीक पूर्वानुमान आज किसानों के लिए सबसे बड़े 'निर्णय–सहायक उपकरण' हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किस्मों का विवेकपूर्ण चयन भी महत्वपूर्ण है। आम्रपाली, मल्लिका और गेहूं की 'हीट टॉलरेंट' किस्में जैसे डीबीडब्ल्यू 187 बदलती परिस्थितियों में बेहतर अनुकूलन दिखा रही हैं।

कल्पना नहीं, हकीकत है एआई की भारतीय दौड़

भारत में एकसाथ कई भाषाओं में तत्काल अनुवाद करने वाले एआई मश्वडल की जरूरत महसूस की जा रही थी। बेंगलुरु स्थित सर्वम एआई ने 18 फरवरी को दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान, चौटजीपीटी और डीपसीक जैसे अपने स्वयं के बड़े भाषा मश्वडल विक्रम का अनावरण करके इस काम को पूरा कर दिखाया है। विदेशी मश्वडलों के साथ भारतीय भाषाओं का मेल नहीं बैठ पाता है। टी–20 क्रिकेट ...

भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। दिल्ली में गलगोटिया विवि के 'रोबोटिक डॉग' और 'ड्रोन सॉकर एरीना' के कारण हुई फजीहत के बाद कुछ लोग पूछ रहे हैं कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत वास्तव में क्या कुछ कर भी पाएगा? हमारे पास उसके लिए पर्याप्त तकनीकी आधार और टेलेंट है भी या नहीं? बहरहाल, इस घटना ने सरकार समर्थित टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्मों पर स्वदेशी नवाचार की गलत व्याख्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल–मीडिया के लिए ऐसी घटनाएं चटपटे मसाले की तरह होती हैं, कुछ समय तक याद रहती हैं और फिर बिसरा दी जाती हैं। बहरहाल, इस घटना ने हमें इसकी उपयोगिता और अपनी उपलब्धियों पर विचार करने की सलाह दी है। इसके पहले जनवरी में दावोस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा की इस टिप्पणी को लेकर भी विवाद हुआ था कि भारत 'सेकंड–टियर' एआई पॉवर है। राजनीति–शास्त्री आयन ब्रेमर ने भी इस बात का हवाला देते हुए कहा था कि नए उभरते देशों को अमेरिका या चीन के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इन दोनों बातों का तीखा जवाब देते हुए भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत एआई देशों की 'साफ पहली कतार' में है। उन्होंने एआई आर्किटेक्चर की पांच परतों के रूप में वर्णित भारत की प्रगति का विवरण दिया रू एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा के सभी पांच स्तरों पर 'भारत अच्छी प्रगति' कर रहा है। उन्होंने स्टैनफर्ड विवि की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को एआई प्रवेश और तैयारियों में तीसरे स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर रखा गया है। बाद में आईएमएफ की अधिकारी ने इस विवाद को ठंडा करते हुए कहा कि संगठन भारत की एआई प्रगति के लिए भारी प्रशंसा करता है। उन्होंने इस गलतफहमी के लिए मॉडरेटर को दोषी ठहराया। अंतरिक्ष–विज्ञान, कंप्यूटिंग–सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, एआई और डेटा साइंस जैसी तकनीकों को 'हाईटेक' माना जाता है। इनका इस्तेमाल चिकित्सा (ईएचआर सिस्टम), विनिर्माण (रोबोटिक्स) और अनुसंधान (लैब डायग्नोस्टिक) के अलावा रक्षा–तकनीक और अंतरिक्ष–विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रमुखता से होता है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो लंबी छलांग है। नवंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत एक साल में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जापान को पीछे छोड़ते हुए, चार पायदान ऊपर चढ़ गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नीति और शासन श्रेणी में भारत पांच पायदान फिसला भी है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भर की सरकारें एआई निवेश बढ़ा रही हैं रू कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर, चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है, फ्रांस ने 109 अरब यूरो का वादा किया है, भारत ने 1.25 अरब डॉलर की घोषणा की है, और सऊदी अरब का प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस 100 अरब डॉलर के व्यापक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। इन देशों के निवेश का कुछ हिस्सा भारत भी आएगा, क्योंकि भारत एआई के बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। इसकी एक झलक दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में देखने को मिली, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई लीडर शामिल हुए हैं। ग्लोबल साउथ में यह पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज–कास्टेजोन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मुकेश अंबानी और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ जैसे बड़े औद्योगिक पदाधिकारी शामिल थे। इससे पहले ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में ऐसे सम्मेलन हो चुके हैं। बेशक भारत के पास अभी एआई की उन्नत विनिर्माण–सामर्थ्य नहीं है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक चिप्स का उत्पादन हमारे यहां अभी नहीं हो रहा है, पर देश का सेमीकंडक्टर मिशन बहुत तेजी से गति पकड़ रहा है, जो चिप्स उपलब्ध कराएगा। एआई का मतलब केवल चिप्स निर्माण नहीं है। टेक्नोलॉजी का निर्माण करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, जो अपना समय लेगी। अलबत्ता उसका इस्तेमाल करने वालोंऔर उससे जुड़े इंजीनियरों और डेटा सेंटरों की संख्या हमारी प्रगति को बता रही है। एआई शोध कर्ताओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। इसकी प्रदर्शनी में उद्योग जगत के लीडरों, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी प्रतिनिधियों और युवाओं की जैसी भीड़ आई, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उत्सुकता का स्तर क्या है। हाल के वर्षों में देश की व्यवस्था में डिजिटाइजेशन ने भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के दरवाजे खोले हैं। इस बात को समझने की जरूरत है कि एआई केवल रोबोटिक्स या गेमिंग नहीं है। उसकी भूमिका चिकित्सकीय और वैज्ञानिक अनुसंधान में है, प्रशासनिक कार्यों में है, खेती–किसानी में है। भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जो प्रतिदिन औसतन सात घंटे ऑनलाइन बिताते हैं। एनवीडिया, ओपन एआई, एंथ्रॉपिक और गूगल जैसी कंपनियां भारत में पैर जमाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट में 'पुराने बनाम नए' की जंग! शादाब खान के कमेंट पर शाहिद अफरीदी का तीखा पलटवार

पाकिस्तान क्रिकेट में हार के बाद अक्सर मैदान के बाहर का ड्रामा शुरू हो जाता है, और इस बार यह विवाद शदिग्गज बनाम मौजूदा खिलाड़ी के रूप में सामने आया है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली 61 रनों की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और ऑलराउंडर शादाब खान के बीच तीखी बहस छिड़ गई है।

शादाब का श्आईनाश दिखाने वाला कमेंट

टी 20 वर्ल्ड कप में पहले इंडिया के खिलाफ 61 रन से हार के बाद, शाहिद अफरीदी, मोहम्मद यूसुफ और शोएब अख्तर समेत कई पुराने क्रिकेटरों ने मौजूदा बैच को आड़े हाथों लिया है, और पाकिस्तान क्रिकेट से सीनियर्स से आगे बढ़कर सबसे छोटे फॉर्मेट में नए खिलाड़ियों को चुनने को कहा है।

हालांकि, यह कमेंट ऑल–राउंडर शादाब खान को अच्छा नहीं लगा, जिन्होंने पुराने क्रिकेटरों को याद दिलाया कि वे कई सालों से आईसीसी टूर्नामेंट में इंडिया को हराने में नाकाम रहे हैं। शादाब ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद कहा था, "हमारे पुराने क्रिकेटरों की अपनी राय है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए अच्छा किया है, और आखिर में, उन्होंने वर्ल्ड कप में भी इंडिया को कभी नहीं हराया है।"

अब, अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट में ट्रेडिशन के बारे में बात करते हुए कमेंट का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कमेंट्स पीढ़ियों से चले आ रहे हैं और शादाब से कहा कि वह टाइटल की दावेदार टीमों के खिलाफ मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस से जवाब दें, न कि सिर्फ छोटी टीमों की बुराई करें।

अफरीदी ने समा टीवी पर कहा, ष्जब हम क्रिकेट खेलते थे, तब भी पुराने क्रिकेटर हमारे बारे में बहुत कुछ कहते थे। उन्होंने श्लानत हैश भी कहा था। हमने इसे बर्दाश्त किया और परफॉर्मेंस से जवाब दिया, छोटी टीमों के खिलाफ नहीं, बल्कि बड़ी टीमों के खिलाफ। हमने परफॉर्मेंस से जवाब दिया।

उन्होंने आगे कहा ष्शादाब, तुमने नामीबिया के खिलाफ अच्छा परफॉर्म किया, अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भी करो। बेटा, परफॉर्मेंस दो। मुश्किल समय में, हम तुम्हारे साथ खड़े रहे। तुमने एग्रेसिव क्रिकेट नहीं खेला, फिर भी तुम पाकिस्तान टीम में वापस आ गए। अब परफॉर्मेंस से जवाब दो ताकि हम भी चुप हो जाएं। परफॉर्म करो, वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद, हम खुद चुप हो जाएंगे, बेटा।

सुपर एट्स में पाकिस्तान का सफर

नामीबिया पर जीत की बदौलत, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के सुपर एट्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्हें अब इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ ग्रुप ठ में रखा गया है। ग्रुप से सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाली टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 4 और 5 मार्च को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने उतरेगी टीम इंडिया , टी 20 सीरीज जीतने के लिए बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी।

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलाः स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईंजिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक–अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए।

एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी भी ढील का आसानी से फायदा उठा सकती हैं।

युवा खिलाड़ी जॉर्जिया वोल सबसे बड़ा खतरा हो सकती हैं जिन्होंने अब संन्यास ले चुकी मेग लैनिंग और एलिसा हीली के जाने के बाद पारी के आगाज की भूमिका को जिम्मेदारी से संभाला है। इनकी जगह भरना बहुत बड़ी बात है लेकिन 22 साल की यह खिलाड़ी अब तक कमाल की रही है। भारतीय तेज गेंदबाजों को वोल को रोकना होगा और स्पिनरों दीप्ति शर्मा और श्री चरणी को भी बीच के ओवरों में योगदान देना होगा। वहीं सदरलैंड और ऐश गार्डनर के अलावा फोबे लिचफील्ड को शांत रखना भी जरूरी है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फूलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमालिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनू (कप्तान), तहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। मैच दोपहर 1.45 बजे शुरू होगा।

भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, टी20 विश्व कप 2024 फाइनल भी पड़ा फीका

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के आधिकारिक डिजिटल और प्रसारण सहयोगी जियोस्टार ने शुक्रवार को घोषणा की कि जियोहॉटस्टार पर भारत बनाम पाकिस्तान मैच ने पहुंच और उपभोग के मामले में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए हैं। एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस मैच की डिजिटल पहुंच अभूतपूर्व 163 मिलियन तक पहुंच गई, जो टी20 प्रारूप में किसी भी आईसीसी आयोजन के लिए सबसे अधिक है। यहां तक घ्कि इसने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल के दर्शकों की संख्या को भी पीछे छोड़ दिया।

भारत के शानदार प्रदर्शन ने डिजिटल माध्यम पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच की तुलना में पहुंच में 56: की वृद्धि सुनिश्चित की। मोबाइल पर, इस गेम ने आईसीसी टी20 टूर्नामेंट के लीग चरण में सबसे अधिक दर्शक संख्या दर्ज की और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में हुए भारत–पाकिस्तान के पिछले मुकाबले से 1.2 गुना अधिक दर्शक संख्या प्राप्त की। क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता के रूप में पहचाने जाने वाले भारत–पाकिस्तान के इस मुकाबले ने जियोहॉटस्टार पर प्रशंसकों की भारी भीड़ के बीच अपनी बेजोड़ लोकप्रियता का प्रदर्शन किया। सीटीवी पर, इस

मैच की दर्शक संख्या 2024 संस्करण के भारत–पाकिस्तान मुकाबले से 2.4 गुना अधिक थी।

इस मैच ने सभी स्क्रीनों पर कुल मिलाकर 20 अरब मिनट का चौंका देने वाला वॉचटाइम हासिल किया, जो प्रशंसकों की व्यापक भागीदारी को दर्शाता है। इससे पिछले संस्करण के मुकाबले दर्शकों की संख्या में 42: की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का दबदबा था, जिसने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8–1 तक बढ़ा दिया। लीनियर टीवी पर भी इस बहुप्रतीक्षित मैच ने शानदार प्रदर्शन किया और 71: की टीवीआर वृद्धि दर्ज करते हुए 2021 के बाद से भारत–पाकिस्तान टी20 का सबसे अधिक रेटिंग वाला मैच बन गया। लीनियर टीवी पर रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी ने एक विशाल, सामूहिक दर्शक अनुभव प्रदान करने में पारंपरिक प्रसारण की निरंतर शक्ति को उजागर किया।

सहयोगी देशों के इस संस्करण में कड़ी प्रतिस्पर्धा और शानदार प्रदर्शन के साथ, समूह चरण के अंत तक आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की डिजिटल पहुंच पिछले संस्करण की कुल पहुंच से भी अधिक होने की संभावना है। जियोस्टार के स्पोर्ट्स सेल्स हेड अनुप गोविंदन ने कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत बनाम पाकिस्तान के मैच की तैयारियों और मैच में एक शानदार मुकाबले के सभी तत्व मौजूद थे। रिकॉर्ड तोड़ पहुंच और दर्शकों की संख्या यह दर्शाती है कि दुनिया भर के प्रशंसक विभिन्न प्लेटफार्मों पर इस टूर्नामेंट से किस हद तक जुड़े हुए हैं।

कौन हैं नामग्या सी. खम्पा ? ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में किया भारत का प्रतिनिधित्व

भारत ने 19 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के गाजा शांति बोर्ड की पहली बैठक में ष्पर्यवेक्षकष् के रूप में भाग लिया। नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास की चार्ज डीश्अफेयर्स नामग्या चोडेन खम्पा ने किया। भारत ने 22 जनवरी को दावोस में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में भाग नहीं लिया था, जहां ट्रंप ने औपचारिक रूप से बोर्ड ऑफ पीस का अनावरण किया था। यह पहल गाजा में दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने और संभावित रूप से अन्य वैश्विक संघर्षों को संबोधित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह बोर्ड ट्रंप का संयुक्त राष्ट्र के विकल्प के रूप में एक संस्था स्थापित करने और विश्व मुद्दों को हल करने का प्रयास है।

बोर्ड परीक्षा देने निकले दो छात्र हुए दुर्घटना के शिकार, गांव में छायी शोक की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बोर्ड परीक्षा देने के लिए आज सुबह लगभग 7 बजे दो होनहार छात्र अपने घर से निकले थे और उन्हें सिटी मोंटेसरी स्कूल में परीक्षा देना था। लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। भीषण सड़क दुर्घटना बहराइच के प्रसिद्ध झिंगहा घाट के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रतार रोडवेज डिपो बस ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर तीन लोग सवार थे। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक सवार दो छात्र मस्त राम यादव और रोहित यादव निवासी राजापुर माफी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही राम गांव हाईवे चौकी प्रभारी अयोध्या सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मी ने बस को कब्जे में लेकर दोनों छात्रों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और बस चालक से पूछताछ की जा रही है।

गांव में छाया शोक

हादसे की खबर जैसे ही राजापुर माफी गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परीक्षा देने निकले बेटों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और मन बहुत ही व्यथित है। आखिर कब थमेगा तेज रतार का कहर? क्या जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी?

ट्रंप नहीं चाहते कोई भी रूस से तेल खरीदे... एआई समिट में अमेरिकी राजदूत ने क्या कहा?

भारत में नवनियुक्त अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली तेल के विकल्पों में विविधता लाने के लिए प्रयासरत है। अमेरिकी राजदूत की यह टिप्पणी भारत और अमेरिका द्वारा घोषित व्यापार समझौते के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि भारत रूस से तेल की खरीद कम करेगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए गोर ने रॉयटर्स को बताया कि भारत अपने विकल्पों में विविधता लाने के लिए काम कर रहा है और वेनेजुएला से तेल खरीदने के लिए बातचीत चल रही है। गोर ने कहा कि तेल के मुद्दे पर समझौता हो चुका है। हमने देखा है कि भारत ने तेल के क्षेत्र में विविधता लाई है। इस संबंध में प्रतिबद्धता है। यह भारत के बारे में नहीं है। अमेरिका नहीं चाहता कि कोई भी रूसी तेल खरीदे। राष्ट्रपति

इस बारे में स्पष्ट रहे हैं, वे इस युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। इसलिए जो भी किसी न किसी रूप में इस संघर्ष में शामिल है, राष्ट्रपति चाहते हैं कि उसका अंत हो जाए, ताकि शांति स्थापित हो सके। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द हस्ताक्षर होंगे। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका ने एक ष्ऐतिहासिकष् व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिसके तहत नई दिल्ली पर लगने वाले टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 फरवरी, 2026 को की थी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट और व्हाइट हाउस के एक बयान में ट्रंप ने कहा कि भारत रूसी तेल की खरीद को कम करने और पूरी तरह बंद करने पर सहमत हो गया है। हालांकि भारत ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन नई दिल्ली ने कहा है कि वह तेल सहित वेनेजुएला से आयात बढ़ाने पर विचार करेगी।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज वाराणसी में षुक्रवार को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रो श्रीमती शोभा प्रजापति ने कहा कि विश्व सामाजिक न्याय दिवस यह सुनिश्चित करने के लिए हमें प्रेरित करता है कि समाज में किसी भी स्तर पर जाति, धर्म, वर्ग, लिंग आदि आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव ना हो और सभी को समान अवसर एवं सम्मान मिलेस संपूर्ण विश्व में आज भी लिंग, जाति, प्रजाति, वर्ग आदि आधारों पर हमें व्यापक भेदभाव देखने को मिलते हैं एक न्याय पूर्ण समाज की स्थापना

के लिए आवश्यक है कि इस प्रकार के भेदभाव को समाप्त किया जाए। इसके लिए हमें खुद से ही शुरुआत करने की आवश्यकता है केवल नीति निर्माण हो जाने से समानता की स्थापना नहीं हो सकती ।डॉ बंदनी ने कहा कि समाज में विभिन्न आधारों पर भेदभाव व्याप्त है और इसे समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया देते हुए कहा कि समाज में सभी को समानता और सम्मान देना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है ,जो एक स्वस्थ, न्याय संगत और सुव्यवस्थित समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया तथा काजल, कविता, मुस्कान एवं खुशी विश्वकर्मा ने विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर अपने विचार व्यक्त किया ।कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रृंखला ने किया और कहा कि आज गरीबी, बेरोजगारी, लैंगिक असमानता और भेदभाव एक वैश्विक चुनौती है जो सामाजिक –आर्थिक विकास मे बाधक है, हम इन्हें सामूहिक प्रयासों समावेशी नीतियों ,शिक्षा और समान अवसर प्रदान कर खत्म कर सकते हैं और यह एक सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला है ।धन्यवाद ज्ञापन बी.ए. की छात्रा सोनाली सेठ ने किया। कार्यक्रम में छात्राएं उपस्थित रही।

अगर ये दावा सही? तो भारतीय लोगों के लिए दुनिया हिला देगा रूस!

सेंट्रल एशियाई देशों में मुस्लिम मेजॉरिटी में हैं। सेंट्रल एशिया में आने वाले तुर्कमेनिस्तान में 93 प्रतिशत मुस्लिम है। उज्बेकिस्तान में 88 प्रतिशत ताजाकिस्तान में 85 प्रतिशत मुस्लिम है। तो किरगिस्तान में 75प्रतिशत मुस्लिम है और कजाकिस्तान में 70प्रतिशत यह सभी देश कभी सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करते थे। लेकिन सोवियत संघ के टूटने के बाद यह सभी आजाद देश बन गए। हालांकि इसके बावजूद इन देशों के रिश्ते रूस से अच्छे रहे मगर हाल फिलहाल में जिस तरह से सेंट्रल एशियाई देश अमेरिका की तरफ झुके हैं और जिस तरह से इसी इलाके के लोग रूस में हुए आतंकी हमले में पाए गए हैं उसने रूस को काफी चौकन्ना कर दिया है। इसी कड़ी में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि रूस ने अब शायद मन बना लिया है कि वह सेंट्रल एशियाई देशों की जगह भारतीय लोगों को प्राथमिकता देगा।

भारतीय लोगों को नौकरी देगा। वैसे आपको बता दें कि रूस का इस पर कोई बयान नहीं आया है। रूस ने ऐसा कोई कानून पास नहीं किया है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे काम ऐसे ही किए जाते हैं। यह ठीक उसी तरह का फैसला है जैसा

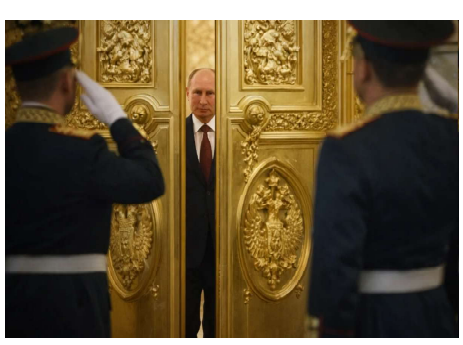

इजराइल डंके की चोट पर ले चुका है। हमास के आतंकी हमले के बाद इजराइल ने भी फिलिस्तीनियों को नौकरी देने की जगह भारतीयों को चुना। इजराइल को भारतीय वर्कर्स पर भरोसा है। इजराइलियों का मानना है कि फिलिस्तीनियों की तरह भारतीय लोग देश को खोखला नहीं करेंगे। इसीलिए पिछले 2 सालों से इजराइल जमकर भारतीय वर्कर्स को नौकरी दे रहा है।

बहरहाल जैसा झटका इजराइल को लगा था वैसा ही झटका रूस को 2024 में लगा। जब राजधानी मॉस्को में हुए एक बड़े आतंकी हमले के बाद यह जानकारी सामने आई कि हमलावर सेंट्रल एशियाई देश ताजाकिस्तान का था। इस हमले में 137 से ज्यादा रूसी लोग मारे गए थे। लेकिन मामला रूस के लिए तब गंभीर हुआ जब इस आतंकी हमले के कुछ महीनों बाद पहली बार सेंट्रल एशियाई देशों ने डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस मुलाकात को सी5 प्लस वन कहा गया। यानी सेंट्रल एशिया के पांच देश और अमेरिका। इस बड़ी मीटिंग के तुरंत बाद उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति ने डॉनल्ड ट्रंप को प्रेसिडेंट ऑफ द वर्ल्ड कह दिया जिससे रूस भड़क गया।

ऐसे में दावे के मुताबिक अब रूसी लोगों को सेंट्रल एशिया पर कम भरोसा है। वह भारतीय लोगों पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। जिस तरह से सेंट्रल एशिया के लोग रूस में कट्टरता फैलाते पकड़े गए, आतंकी हमले करते पकड़े गए, उसने रूस को हिला कर रख दिया।

वैसे भी पिछले 3 सालों से भारत और रूस की नजदीकी काफी बढ़ी है। इसीलिए रूस भी इजराइल की तरह भारतीय लोगों पर भरोसा जता रहा है। रूस ऐलान कर चुका है कि जंग की वजह से आए लेबर संकट को कम करने के लिए उसे बड़ी संख्या में भारतीय वर्कर्स की जरूरत है।

मिशन शक्ति फेज–5.0 : महिला व साइबर सुरक्षा को लेकर श्रावस्ती पुलिस सक्रिय

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश पुलिस के मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत जनपद श्रावस्ती में महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता अभियान तेज़ी से संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में एंटी रोमियो टीमें सक्रिय रहकर बाजारों, शिक्षण संस्थानों व सार्वजनिक स्थलों पर गश्त कर रही हैं। अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को ऑनलाइन फ्रॉड, फेक कॉल, साइबर स्टॉकिंग व सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी जा रही है। साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही 1090, 112, 1098, 181 सहित अन्य आपातकालीन हेल्पलाइनों एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस का यह अभियान महिला सुरक्षा एवं आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है।

नकलविहीन बोर्ड परीक्षा के लिए प्रशासन सख्त, जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाएं बुधवार से जनपद में प्रारम्भ हो गईं। परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, नकलमुक्त और निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने प्रातःकाल राजकीय जिला पुस्तकालय स्थित कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के 41 परीक्षा केंद्रों से जुड़े डीवीआर एवं सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था का गहन परीक्षण किया। सभी परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरे ऑनलाइन एवं सक्रिय पाए गए। उन्होंने कंट्रोल रूम प्रभारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक कक्षा में कैमरों की दृश्यता स्पष्ट रहे, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कहीं भी तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है तो उसकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शांतिपूर्ण, नकलमुक्त और निष्पक्ष परीक्षा कराना ही प्रशासन का लक्ष्य है। इसके लिए तकनीकी निगरानी के साथ–साथ संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

परिवहन कार्यालय परिसर में वाहनों के एक मुश्त कर जमा योजना के संबंध में मेले का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के सम्भागीय परिवहन कार्यालय, गोण्डा द्वारा वाहन स्वामियों एवं ट्रांसपोर्ट संगठनों की सुविधा हेतु वाहनों की एक मुश्त कर जमा योजना के संबंध में परिवहन कार्यालय परिसर में "परिवहन मेलादृ2026" का आयोजन किया गया।इस मेले का उद्देश्य लंबित करों के निस्तारण,वाहन संबंधी समस्याओं के समाधान तथा परिवहन विभाग की योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।इस अवसर पर अधिकारियों ने उपस्थित वाहन स्वामियों एवं ट्रांसपोर्ट प्रतिनिधियों को एकमुश्त कर जमा योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया।एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी. भारतीय ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत वाहन स्वामी अपने बकाया कर को सरल प्रक्रिया के माध्यम से एकमुश्त जमा कर नियमानुसार राहत प्राप्त कर सकते हैं।मेले में कर जमा काउंटर, फिटनेस प्रमाणपत्र,परमिट नवीनीकरण, पंजीयन संबंधी सेवाएं,ड्राइविंग लाइसेंस परामर्श तथा ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी हेतु अलग–अलग स्टॉल लगाए गए।परिवहन विभाग की डिजिटल सेवाओं, विशेषकर ऑनलाइन कर भुगतान एवं स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया गया, जिससे वाहन स्वामियों को कार्यालय आने–जाने में समय की बचत हो सके।इस अवसर पर स्थानीय ट्रांसपोर्ट संगठनों, बस एवं ट्रक ऑपरेटर संघों तथा टैक्सी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की।

पान मसाले की बढ़ी हुई कीमत से उपभोक्ता हुए परेशान,महंगे रेट पर बिक रहा पान मसाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर एवं विशेश्वरगंज क्षेत्र के बाजारों में तंबाकू उत्पादों की महंगे रेट पर हो रही बिक्री ने नियम–कानून ताक पर रख दिया है । गुटखा की कीमतों में मनमानी तरीके से बढ़ोतरी कर दुकानदार खुलेआम उपभोक्ताओं से अधिक वसूली कर रहे हैं। हालात यह है कि जिस गुटखा पाउच की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) 5 रुपये निर्धारित है, वही बाजार में 6 से 7 रुपये तक में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। पान मसाला बेचने वाले फुटकर दुकानदार थोक विक्रेताओं के द्वारा महंगे रेट पर पान मसाला देने को लेकर बहुत ही परेशान है। मनमानी तरीकों से ध्2 अधिक की कीमत लगाकर ग्राहकों से पान मसाला के हर पाउच पर वसूल रहे हैं। नियमों के मुताबिक एमआरपी से अधिक कीमत पर किसी भी वस्तु की बिक्री दंडनीय अपराध है, इसके बावजूद न तो दुकानदारों में कार्रवाई का भय है और न ही संबंधित विभागों की सक्रियता नजर आ रही है , वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े व्यापारी थोक स्तर पर ही अधिक कीमत वसूल रहे हैं, जिसका हवाला देकर छोटे दुकानदार भी मनमानी कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई के बीच इस तरह की अवैध वसूली से आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन और आपूर्ति विभाग से मांग की है कि बाजारों में औचक निरीक्षण कर एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह अवैध वसूली आम बात बनकर रह जाएगी और उपभोक्ता शोषण का सिलसिला और तेज होगा।

नगर पंचायत इकौना में मंडी के पास जाम से बोर्ड परीक्षार्थी परेशान, भविष्य पर मंडराया संकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, लेकिन इकौना नगर पंचायत क्षेत्र में मंडी के सामने लगने वाले भीषण जाम से परीक्षार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह परीक्षा देने निकलने वाले छात्र–छात्राएं जाम में फंस जा रहे हैं, जिससे उनके समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंडी क्षेत्र में अव्यवस्थित यातायात, सड़क किनारे खड़े वाहन एवं अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। बोर्ड परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण समय में भी यातायात व्यवस्था सुचारु न होने से बच्चों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। कई छात्र देर से परीक्षा केंद्र पहुंचे, जिससे उनके अभिभावकों में चिंता और आक्रोश व्याप्त है। अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि परीक्षा अवधि के दौरान मंडी क्षेत्र में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जाए, पुलिस बल तैनात किया जाए तथा अतिक्रमण हटाकर जाम से स्थायी समाधान किया जाए, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित रह सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर कब तक प्रभावी कार्रवाई करता है।

पीस कमेटी की बैठक पयागपुर थाने पर की गई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर। होली और रमजान के त्योहार को देखते हुए पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई और बैठक में आए हुए सभी लोगों से अपील की गई कि शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं। जिसमें आज पयागपुर थाने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी एवं उप जिलाधिकारी पयागपुर के नेतृत्व में थाना अध्यक्ष पयागपुर संजय कुमार सिंह द्वारा क्षेत्र के ग्राम प्रधान एवं सम्मानित लोगों के साथ मिलकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आए हुए सभी लोगों से अपील की गई कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही डीजे की आवाज को 85 डेसीबल तक बनाए रखें और इस समय बोर्ड का एग्जाम चल रहा है इसलिए डीजे को तेज आवाज में ना बजाएं और अगर ऐसा करता हुआ कोई पाया गया तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस क्षेत्राधिकारी पयागपुर ने अपने संबोधन में बताया कि अगर कहीं कोई जुलूस निकालना है तो सबसे पहले परमिशन लेना होगा और जो लोग बाहर से त्योहार मनाने आएंगे अपने गांव में वह लोग सभ्य तरीके से अपने त्यौहार को मनाई कहीं कोई उपद्रव की घटना ना घटित हो। इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित ग्राम प्रधान एवं विभिन्न धर्मों के धर्माचार्य, थाने के सभी पुलिसकर्मी एवं उपनिरीक्षक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

परिवार नियोजन और बाल विवाह रोकथाम के लिए सभी विभाग मिलकर करेंगे कार्य–सीएमओ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत उम्मीद परियोजना, जिसे द्वारा के वित्तीय सहयोग से जनपद के चयनित 9 ब्लॉकों में संचालित किया जा रहा है, उसके तहत जिला स्तरीय डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप (ॅळ) की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतलाल पटेल ने की।विदित हो कि जिला स्तरीय डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप का गठन 20 नवंबर 2025 को मुख्य विकास अधिकारी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में किया गया था। इस समूह में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग,आईसीडीएस,पंचायती राज, ग्राम्य विकास, एनआरएलएम सहित विभिन्न विभागों और संस्थाओं को शामिल किया गया है,ताकि परिवार नियोजन और बाल विवाह रोकथाम से जुड़े सामाजिक व्यवहार परिवर्तन तथा जनजागरूकता को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। इसी उद्देश्य से जनपद में एसबीसीसी कैंपेन 'इतनी भी क्या जल्दी है?!!!' का शुभारंभ किया गया था।बैठक में कैंपेन की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतलाल पटेल ने कहा कि अंतरविभागीय समन्वय से उम्मीद परियोजना को और अधिक गति व प्रभावशीलता मिलेगी। सभी विभागों के संयुक्त प्रयास से परिवार नियोजन साधनों की मांग बढ़ाने और उनसे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना संभव होगा।उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के अंतर्गत विकसित पोस्टर,फिल्में और अन्य सामग्री का व्यापक प्रसार विभागीय स्टाफ के माध्यम से क्षेत्र स्तर पर किया जाए।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सी. के. वर्मा ने बताया कि परियोजना के तहत जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर, फिल्में, जिंगल्स तैयार किए गए हैं, जिनका प्रचार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक के साथ–साथ ऑफलाइन माध्यमों एवं होर्डिंग्स के जरिए भी किया जा रहा है।वहीं,अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आदित्य वर्मा ने कहा कि समुदाय स्तर के सेवा प्रदाता और ग्राम प्रधान परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के प्रारंभ में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राज्य प्रतिनिधि बी.के. जैन ने उम्मीद परियोजना के तहत सात जनपदों में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित 50 ब्लॉकों में स्वास्थ्य इकाइयों पर काउंसलिंग कॉर्नर स्थापित किए गए हैं तथा आशा व एएनएम को प्रशिक्षित कर उनकी क्षमता वृद्धि की गई है।मोबिउस फाउंडेशन के प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने परिवार नियोजन को जनसंख्या,संसाधन और पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक बताया।

पुष्प प्रदर्शनी 2026 प्रकृति, संस्कृति और सृजन का विराट संगम

गोरखपुर। पूर्वांचल की सांस्कृतिक धरती पर वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही एक बार फिर प्रकृति अपने पूर्ण सौंदर्य के साथ साकार होने जा रही है। विन्ध्यवासिनी पार्क (ही पार्क), गोरखपुर में प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होने जा रही 'गोरखपुर पुष्प प्रदर्शनी 2026' शहर को रंग, सुगंधा और हरित चेतना के उत्सव में परिवर्तित कर देगी। यह आयोजन प्रकृति, संस्कृति और सृजन के त्रिवेणी भाव को समर्पित है और प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है, ताकि प्रत्येक नागरिक इस हरित महोत्सव का सहभागी बन सके। पुष्पों के माध्यम से प्रकृति से संवाद भारतीय जीवनदर्शन में पुष्प सजावट का साधन होने के साथ श्रद्धा, प्रेम, पवित्रता और उत्सव का प्रतीक रहे हैं। मंदिरों की आरती से लेकर राष्ट्रीय आयोजनों तक, पुष्प भारतीय संस्कृति की आत्मा में रचे–बसे हैं। इसी सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी पुष्प प्रेमियों, बागवानी विशेषज्ञों और आम नागरिकों को एक साझा मंच प्रदान करेगी। आयोजन में प्रतिभागियों को अपने फूलों के गमले, पुष्प और संबंधित उत्पाद प्रदर्शित करने हेतु आमंत्रित किया गया है। यह प्रदर्शनी स्थानीय उत्पादकों और बागवानी उद्यमियों के लिए एक सशक्त अवसर भी सिद्ध होगी। आयोजन का मूल उद्देश्य पुष्पों की प्रदर्शनी के साथ नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण की चेतना जागृत करने, शहरी बागवानी को बढ़ावा देने तथा हरित अर्थव्यवस्था के नए अवसरों को प्रोत्साहित करने का प्रयास है।

निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य शिविर 21 फरवरी को पेंशनर्स कक्ष में लगेगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में निःशुल्क जांच शिविर का होगा आयोजन।इस

समय तेजी से बढ़ रही हृदय रोग की समस्या को देखते हुए संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश,गोंडा एवं उत्तर प्रदेश मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ,गोन्डा के संयुक्त तत्वावधान में एक निरूशुल्क हृदय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 21 फरवरी, शनिवार को प्रातः 10रू00 बजे से पेंशनर्स कक्ष (डीएम कार्यालय के निकट) आयोजित होगा।संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के सहसंयोजक एवं शिविर के संयोजक के.बी. सिंह ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण हृदय रोग के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, विशेषकर बुजुर्गों में यह समस्या अधिक देखी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा यह निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इस शिविर में हिंद मेडिकल कॉलेज, बाराबंकी एवं जैनश इनिशिएटिव्स संस्था के संस्थापक एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा मरीजों की जांच एवं परामर्श दिया जाएगा।शिविर में हृदय संबंधी रोगों की जांच के साथ आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश मिनिस्टर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ,एवं पेंशनर्स संस्था आयोजकों ने जनपद के पेंशनर्स एवं अन्य जरूरतमंद नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निरूशुल्क शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 10 अप्रैल को निर्धारित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्रं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि अर्हता तिथि 01 जनवरी,2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पनुरीक्षण कार्य से सम्बद्ध अधिकरियों का स्थानान्तरण आयोग की पूर्वानुमति से ही किए जाने के निर्देश प्राप्त हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्र 27 अक्टूबर,2025 में यह सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अवधि में निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों से सम्बद्ध अधिकारियों यथा–जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कोई पद रिक्त न हों तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की कार्यवाहियों से सम्बद्ध अधिकारियों का स्थानान्तरण भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाए। उन्होंने बताया कि नोटिस चरण के अन्तर्गत नोटिसों की सुनवाई दिनांक 27 मार्च,2026 तक की जानी है तथा निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 10. अप्रैल,2026 को किया जाएगा। इस सम्बन्ध ऐसा संज्ञान में आया है कि बिना आयोग की पूर्वानुमति के सम्प्रति चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम–2026 को कार्यवाहियों से सम्बद्ध अधिकारियों का स्थानान्तरण किया जा रहा है, जिससे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 की गतिमान कार्यवाहियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 की अवधि में निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों से सम्बद्ध अधिकारियों का स्थानान्तरण/तैनाती किए जाने से पूर्व भारत निर्वाचन आयोग की पूर्वानुमति/अनुमोदन अवश्य प्राप्त करना सुनश्चित करेंगें।

फोटो 10

गणित प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में शुक्रवार को गणित विभाग के विद्यार्थियों ने तार्किक क्षमता, विश्लेषणात्मक

सोच एवं गणितीय दक्षता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य गणित क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस क्विज़ प्रतियोगिता में बी.एससी. मैथ के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया । प्रतिभागियों ने गणित के विविध क्षेत्रों जैसे बीजगणित, त्रिकोणमिति, कलन तथा सामान्य गणित से जुड़े प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक रही। प्रथम स्थान पर आकाश, द्वितीय स्थान पर अमित एवं तृतीय स्थान पर राजेश रहे स गणित के तीनों विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) प्रमोद कुमार ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ–साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करती हैं। गणित विभागाध्यक्ष डॉ उपेन्द्र कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर करते रहने का आश्वासन दिया स डॉ सचिन कुमार ने बताया कि गणित क्विज़ प्रतियोगिता ने महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सशक्त एवं प्रेरणादायक बनाता है स इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक राजेश्वर रंजन, धर्मेंद्र कुमार, महेश पांडेय, सरफुद्दीन, अरुण इत्यादि कर्मचारी गणों के साथ साथ सोनल, अजय, मनीषा, आशुतोष, प्रियांशी, मधु, प्रियंका, अंजलि, इत्यादि भारी संख्या में गणित के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025 –2026 के चुनाव हेतु एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र का चुनाव कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। उनके सहयोग के लिए सुरेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट व राजकुमार सिंह पटेल एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने कहा कि चुनाव अधिकारी का स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी होती है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना, जिसमें मतदान, मतगणना और परिणामों की घोषणा शामिल है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश

कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि चुनाव का समय सारणी घोषित कर दिया गया है। नामांकन प्रपत्र वितरण व जमा 23 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक होगा। नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र पर आपत्ति तथा नामांकन प्रपत्र की जांच व आपत्ति का निस्तारण 25 फरवरी 2026 को होगा। वैध नामांकन सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र वापसी व अंतिम सूची का प्रकाशन 26 फरवरी 2026 को होगा। निःशुल्क मतदाता सूची का वितरण 27 फरवरी को व टेंडर मतदान 7 मार्च 2026 को होगा। मतदान की तिथि 9 मार्च 2026 को नियत की गई है। उसी दिन मतगणना होगी तथा उसी दिन परिणाम की घोषणा होगी तथा एल्डर कमेटी द्वारा शपथ ग्रहण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष श्यामबिहारी यादव एडवोकेट,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट, महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह मौर्य एडवोकेट, चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट, एल्डर कमेटी के सदस्यगण मुश्ताक अली एडवोकेट, निर्मलेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट व छोटे लाल गौतम एडवोकेट मौजूद रहे।

हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी देकर किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के तहत शुक्रवार को जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। पुलिस

अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा व्ज्च साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा को और सु.ढ़ करने के उद्देश्य से 'ष्ऑपरेशन शील्ड के तहतष्' जनपद के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में 'एसिड अटैक की रोकथाम हेतु' एसिड/तेजाब विक्रय करने वाली दुकानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को एसिड विक्रय से संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा बिना वैध अभिलेख/पहचान पत्र के एसिड विक्रय न करने के निर्देश दिए गए। दुकानों के रजिस्टर, स्टॉक विवरण एवं सीसीटीवी व्यवस्था की जांच की गई। आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए भविष्य में नियमों के उल्लंघन पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

उप प्रभागीय वनाधिकारी ने जैविक खेती की ली जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के गोविंदपुर स्थित बनवासी सेवा आश्रम परिसर में शुक्रवार को उप प्रभागीय वनाधिकारी अखिलेश सिंह पटेल और रेंजर जबर सिंह यादव ने जैविक खेती की बारीकियां समझी और जैविक खाद बनाने और रासायनिक तथा जैविक खाद से उत्पादन में फर्क को लेकर विशेषज्ञ शिव शरण सिंह से विस्तार से जानकारी ली।श्री सिंह ने कहा कि आज जैविक खेती हमारी जरूरत है।इससे पर्यावरण सरंक्षण के साथ मिट्टी की जैव विविधा बनी रहती है जबकि रसायन के ज्यादा प्रयोग से मिट्टी ऊसर हो रही है।जिसका असर स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। उन्होंने आश्रम ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और वन सरंक्षण में सहयोग की अपील की। इसके बाद कठौंधी वन क्षेत्र में पौध रोपण के लिए खोदे जा रहे गड्ढे का निरीक्षण किया तथा वन कर्मियों को आवश्यक हिदायत दी।उन्होंने कहा कि गड्ढा खोदते समय प्रा.तिक पौधों को नुकसान ना पहुंचाया जाए। और पौध रोपण के प्लान में स्थानीय पौधों का रोपण हो जो लोगों के काम आए और जंगल को भी घना बनाए।मौके पर गोविंद,चंद्रभान सहित अन्य वन कर्मी उपस्थित रहे।

22वीं मंजिल से गिरकर मजदूर की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के धुमा गांव निवासी एक युवक की लखनऊ में काम करते समय दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कमलेश भुइयां (उम्र लगभग 25 वर्ष), पुत्र कईल भुइयां, लखनऊ में पाइपलाइन का काम करता था। बताया जा रहा है कि कमलेश 22वें लोर पर कार्य कर रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वहां हड़कंप मच गया।आज सुबह एम्बुलेंस से जैसे ही उसका शव गांव पहुंचा, ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी विमला का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गया है।वहीं वृद्ध मां ने बिलखते हुए कहा कि कमाने वाला वही एक था, जो पूरे परिवार का भरण–पोषण करता था। अब परिवार के सामने जीवन–यापन का संकट खड़ा हो गया है। परिजनों व ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजे की मांग की।

पर्यटन पश्चलिसी की गाईडलाईन के अनुरूप सब्सिडी प्राप्त करने के लिये करे आवदेन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश कुमार भारती ने अवगत कराया है कि निवेश के पोर्टल पर आवेदन किये गये हैं और कार्य प्रारम्भ किये जाने की तिथि से कार्य पूर्ण होने की तिथि के मध्य जिस किसी सम्मानित निवेशक के कार्य पूर्ण हो गये है। वे पर्यटन पॉलिसी की सुसंगत गाईडलाईन के अनुरूप सब्सिडी प्राप्त किये जाने हेतु ऑनलाईन आवेदन करने के उपरान्त सहायक पर्यटन कार्यालय, विकास भवन सोनभद्र में प्राप्त करा सकते हैं। जिससे पर्यटन पॉलिसी योजना के अन्तर्गत सब्सिडी उपलब्ध कराये जाने की कार्यवाही करायी जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने परेड की ली सलामी किया निरीक्षण दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

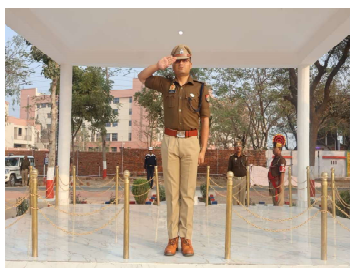

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा रिज़र्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी

लेकर निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल की अनुशासन, शारीरिक–मानसिक फिटनेस और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया पुलिस अधीक्षक ने न केवल परेड का निरीक्षण किया, बल्कि खुद एक्सरसाइज और शारीरिक गतिविधियों का डेमो देकर पुलिसकर्मियों को सही तकनीक एवं अनुशासनिक अभ्यास समझाया। निरीक्षण के दौरान वाहन, सुरक्षा उपकरण और कम्युनिकेशन सिस्टम की जांच की गई। क्वार्टर गार्द द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर का अवलोकन कर कर्मियों को सतर्कता, ।बजपअम च्वसपबपदह और जनसेवा की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा और निरंतर प्रशिक्षण में सुधार करने हेतु प्रेरित किया।

स्कूली बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरण कर नपं अध्यक्ष ने मनाया अपना जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला नगर पंचायत की नपं अध्यक्षा फुलवंती गोंड़ ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन अनूठे अंदाज में मनाया। उन्होंने

पटेहरा टोला प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में टाफी,कांपी, पेंसिल व पेंसिल बाक्स वितरण कर बच्चों के साथ अपना 33 वां जन्मदिन बेहद सादगी और हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। नपं अध्यक्षा ने अपने जन्मदिन पर सुबह वार्ड नंबर छः में स्थित पटेहरा टोला प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों में पठन–पाठन के लिए सामग्री देकर कहा कि परोपकार सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने एक–दूसरे की मदद के लिए तत्पर रहने पर जोर दिया नगर के शैक्षणिक विकास को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया और कहा कि शिक्षा सबके लिए जरुरी है सभी माता पिता अपने बच्चों को जरुर स्कूल भेजें। स्कूल में आते ही बचपन की यादें ताजा हो गईं बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाकर मुझे बहुत खुशी हुई। बच्चों के साथ समय बिताकर उनकी शिक्षा को लेकर चर्चा किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया।इस दौरान सभासद नितेश कुमार निषाद, संतोष कुमार,विनय कुमार व विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृह्द पुनरीक्षण हेतु पूर्व निर्गत संशोधित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी(पं0), सोनभद्र ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0, लखनऊ की संशोधित अधिसूचना के अनुसार जनपद सोनभद्र की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृह्द पुनरीक्षण हेतु पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक सूचना आंशिक संशोधन कर समय सारणी निर्धारित की गयी है। उन्होंने बताया कि दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करना एवं सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन/निस्तारण की कार्यवाही करने की अवधि 07जनवरी, 2026 से 16 मार्च, 2026 तक। दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थान समाहित करने एवं यथावश्यक मतदात केन्द्रों/स्थलों के निर्धारण की कार्यवाही 21फरवरी, 2026 से 16 मार्च, 2026 तक। मतदाता सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि की तिथि 17मार्च, 2026 से 13 अप्रैल, 2026 तक। निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन 15 अप्रैल, 2026 को किया जाना निर्धारित किया गया है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना–पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किये जायेंगे। निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही पूर्ण करायी जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया है कि निर्धारित समय सारणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण का कार्य सम्पन्न कराया जायेगा। पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक जारी सूचना 07 जनवरी,.2026 को यथा संशोधित समझा जाए।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप:जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है, यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 30 दिसंबर,2021 के आदेशानुसार संशोधित किया गया और पॉलिएस्टर के कपड़े से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गयी। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित, सूती/पॉलिएस्टर/ऊनी/सिल्क/खादी के कपड़े से बनाया गया हो। जनका का कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर सरकारी संगठन अथवा कोई भी शिक्षा संस्था राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा/प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाये। भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 20 जुलाई,2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग द्वितीय के पैरा 2.2 की धारा (•प) को धारा से प्रतिस्थापित किया गया। (•प) ''जहां'' झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है, वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है,''। राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लम्बाई और ऊंचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3रू 2 होगा। जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाये तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए। फटा हुआ और मैला–कुचौला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाये। झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडो के साथ एक ही ध्वज–दंड से नहीं फहराया जाये। संहिता के भाग–तृतीय की धारा–प्ग में उल्लखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जायेगा। किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम,1971 और भारतीय झंडा संहिता, 2002, गृह मंत्रालय की वेबसाइट ूूू.उीं.हवअ.पद पर उपलब्ध है।

विशाल भंडारे के साथ 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक के नोनी गांव में शिव – हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित पांच दिवसीय 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा शुक्रवार को विशाल भंडारे के साथ संपन्न हो गया। शांतिकुंज हरिद्वार से आईं गायत्री परिवार की कंचन चौबे के नेतृत्व में यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई और कलश विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। इस अवसर पर 5100 दीपकों से मंदिर और तालाब को सजाया गया। इस आयोजन में 200 बच्चों व श्रद्धालुओं को गुरुमंत्र, दीक्षा, नामकरण आदि संस्कार किए गए।देर शाम तक चले भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शांतिकुंज से आए गायत्री परिवार के अतिथियों को देर शाम आयोजकों व श्रद्धालुओं ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर कंचन चौबे ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में प्र.ति की सुरक्षा और मानवता को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर समाज हित में कार्य करना अनिवार्य है।व्यक्ति को सदैव धर्म और सत्य के मार्ग पर .ढ़तापूर्वक चलना चाहिए, क्योंकि अंततः धर्म की विजय होती है और अधर्म पराजित होता है।भगवान सदैव धर्म के पक्ष में होते हैं।उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आह्वान किया कि वे सभी नशाखोरी, दहेज प्रथा, ऊंच नीच जैसी कुरीतियों से दूर रहें और अपने बेटे बेटियों को अच्छी शिक्षा व संस्कार देकर उन्हें मानवता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करें। इस मौके पर राधारमण सिंह, मुनिजी उपाध्याय,ओंकारनाथ सिंह, पारसनाथ, परमेश्वर, काशीनाथ, मंगल सिंह, रामआसरे, मनोज कुमार, रामेश्वर, जगदीश, लोकनाथ, .ष्णकुमार, हरिशंकर, रामसूरत, जालिम सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

शराब की दुकानें 4 मार्च को रहेगी बंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। होली पर्व के अवसर पर जनपद–सोनभद्र में कानून–व्यवस्था एवं लोक शान्ति बनाये रखने के निमित्त मैं बद्री नाथ सिंह, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम 1910 की धारा–59 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति एवं अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद–सोनभद्र की समस्त देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, माडलशाप, भांग एवं ताड़ी की फुटकर/थोक अनुज्ञापनों को 04 मार्च,2026 को अपरान्ह 4.00 बजे तक बन्द रखने का आदेश देता हूँ। उक्त बन्दी दिवस के लिए अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल नियमानुसार देय नहीं होगा। आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

फ्राड हुई धनराशि कुल 10,000/– रुपये उसके मूल खाते मे कराया गया वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पीड़ित सुमित सोनी पुत्र स्व0 ओमप्रकाश सोनी निवासी अयप्पा मन्दिर के पास वार्ड नं0–9 भगत सिंह कालोनी सिंगरौली मध्यप्रदेश हाल पता थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा यूपीआई के माध्यम से 12,000/– रुपये की ठगी कर ली थी जिसके सम्बन्ध मे पीडित द्वारा 1930 व साइबर क्राईम पोर्टल (बलइमतबतपउम.हवअ.पद) पर शिकायत दर्ज करायी थी ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण मे तथा थानाध्यक्ष शक्तिनगर कमल नयन दूबे के कुशल नेतृत्व मे थाना शक्तिनगर की साइबर टीम द्वारा छब्त्च पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक की फ्राड हुई कुल धनराशि मे से 10,000/– रुपये को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा **NCRP** पोर्टल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके संबन्धित बैंक शाखा को जरिये ईमेल पत्राचार करके आवेदक की फ्राड खाते मे होल्ड धनराशि कुल 10,000/– रुपये उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदक द्वारा थाना शक्तिनगर की साइबर टीम की भूरि–भूरि प्रशंसा की ।

ठगी गई 51,000/– की संपूर्ण धनराशि आवेदक के मूल खाते में कराई गई वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आवेदक रविन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व0 बृजनाथ सिंह निवासी अनपरा बाजार थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक 28.01.2026 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जमीन बेचने के नाम पर बयाना के रूप में ध्51,000/– की साइबर ठगी की गई थी। पीड़ित द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं साइबर क्राइम पोर्टल (बलइमतबतपउम.हवअ.पद) पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध की रोकथाम के अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अनपरा सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। साइबर टीम ने छब्त्च पोर्टल के माध्यम से प्रकरण का विश्लेषण कर ध्9,835.41/– की धनराशि संबंधित खातों में होल्ड कराई एवं आवश्यक साक्ष्य संकलित कर संबंधित बैंक शाखा से सतत पत्राचार एवं समन्वय स्थापित किया। तत्पश्चात प्रभावी कार्यवाही करते हुए आवेदक की ठगी गई संपूर्ण धनराशि ध्51,000/– उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। पीड़ित द्वारा थाना अनपरा की साइबर टीम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अरी अर्जुनन अभिनीत फिल्म फोर्थ फ्लोर 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

निर्माता निर्देशक एल.आर. सुंदरपंडी की बहुप्रतीक्षित मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म, फोर्थ फ्लोर, जिसमें अभिनेता अरी अर्जुनन मुख्य भूमिका में हैं, ने अब घोषणा की है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड ने यूए प्रमाणपत्र के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है और अब यह फिल्म इस साल 27 फरवरी को दुनिया भर में स्क्रीन पर रिलीज होगी।

घोषणा करने के लिए अरी अर्जुनन ने अपनी एक्स टाइमलाइन का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, फोर्थ फ्लोर सेंसर्ड – यूए सर्टिफिकेट। 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज।

मनो क्रिएशन्स के तहत ए राजा द्वारा प्रोड्यूस और एल.आर. सुंदरपांडी द्वारा डायरेक्ट की गई यह फिल्म, एक अनोखी थ्रिलर है, जिसकी कहानी एक असाधारण माहौल में सेट है। कहानी चेन्नई के बीचो–बीच एक रिहायशी बिल्डिंग में कई रोमांचक घटनाओं के बीच सामने आती है।

यूनिट के सूत्रों का कहना है कि डायरेक्टर एल.आर. सुंदरपांडी ने एक ऐसी स्क्रीनप्ले लिखी है जो चौंकाने वाले ट्विस्ट से भरी है और जो दर्शकों को एक अनोखा थ्रिलर अनुभव देने की गारंटी देती है।

सूत्रों ने बताया कि एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर, यह फिल्म सपनों और हकीकत के बीच जटिल कनेक्शन को दिखाने की कोशिश करेगी और यह भी बताया कि फिल्म की यूनिट ने अब पूरी शूटिंग प्रोसेस पूरी कर ली है।

सूत्रों ने बताया, फिल्म की पूरी शूटिंग चेन्नई और उसके आस–पास के इलाकों में हुई है।

इस फिल्म में आरी अर्जुनन लीड रोल में हैं, और दीपशिखा फीमेल लीड का रोल निभा रही हैं। एक्टर पवित्रा, डायरेक्टर सुब्रमण्यम शिवा, थलाइवासल विजय और आदित्य कथिर भी इस फिल्म में अहम रोल में नजर आएंगे।

टेक्निकल तौर पर, फिल्म के विजुअल्स का क्रेडिट टैलेंटेड सिनेमैटोग्राफर जे. लक्ष्मण को जाता है, जो पोडा पोडी और वेनिला कबड्डी कुझू जैसी पॉपुलर फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म का म्यूजिक पोडा पोडी फेम धरण ने दिया है, जबकि आर्ट डायरेक्शन सुरेश कल्लिरी ने संभाला है, जो अपने जबरदस्त सोशल ड्रामा अनीधि, जेल और पॉपुलर वेब सीरीज मथगम में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

शिवांगी ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार, बोलीं– सादगी में भी सुंदरता

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिवांगी वर्मा वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने के साथ खास बातचीत में सीरीज में अपने

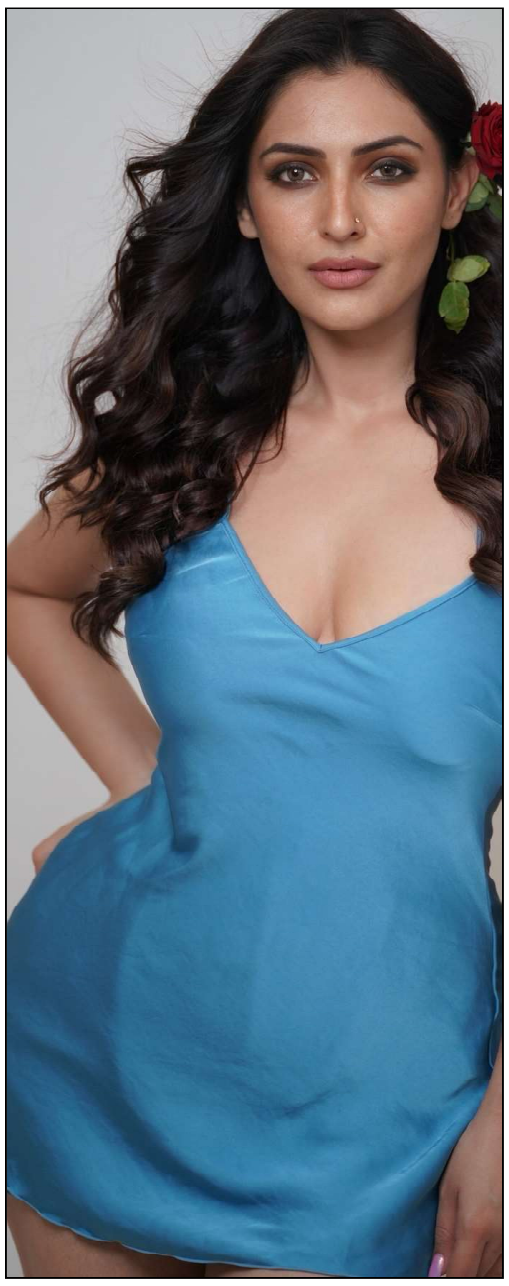

किरदार को लेकर बातें कीं। अभिनेत्री ने कहा, यह सीरीज बहुत पॉपुलर है। मैं हमेशा से ही इसकी फैन रही हूं और मुझे सीजन 3 में काम करने का मौका मिला।

इसके लिए मैं मेकर्स की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे चुना और काबिल समझा। अभिनेत्री के एपिसोड का नाम मिडनाइट ब्राइड है। इसमें शिवांगी ने एक विधवा का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि यह रोल उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, असल जिंदगी में मैं काफी मॉडर्न और फैशनेबल हूं, लेकिन मेरा किरदार एक विधवा का है।

समाज में विधवाओं को मेकअप न करने, रंग–बिरंगे कपड़े न पहनने और साधारण रहने की उम्मीद की जाती है। इस रोल को निभाते हुए मुझे पता चला कि सादगी में भी सुंदरता होती है और मैंने सोचा था कि अगर मेकर्स ने मुझे चुना है, तो इसमें अपना बेस्ट दूंगी। हालांकि, शूटिंग खत्म होने के बाद मुझे हर तरफ से खूब सराहना मिली थी।

शिवांगी अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहती हैं। वे हमेशा अच्छी स्टोरीलाइन पर ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि अगर कहानी इमोशनल है, तो वे और सारी चीजें भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर स्टोरी अच्छी है और एक्टर के तौर पर मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं पूरा जोर लगाकर अच्छा परफॉर्म करती हूं।

मैं महिला केंद्रित किरदारों को करने के लिए हमेशा तैयार हूं, क्योंकि ऐसे किरदारों में महिलाओं के अलग–अलग रूप दिखते हैं और काम करने में बहुत मजा आता है। उन्होंने बताया, मुझे रोमांटिक थ्रिलर करने की बहुत इच्छा है। अगर कोई अच्छी रोमांटिक थ्रिलर स्टोरी आए या फिर कोई बायोपिक, तो जरूर करना चाहूंगी।

मर्डर मिस्ट्री लेकर आ रहे हैं श्रीविष्णु.. राजामौली ने लॉन्च किया मृत्युंजय का टीजर, 27 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

टॉलीवुड के बहुमुखी अभिनेता श्रीविष्णु नवीनतम जासूसी थ्रिलर मृत्युंजय में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 27

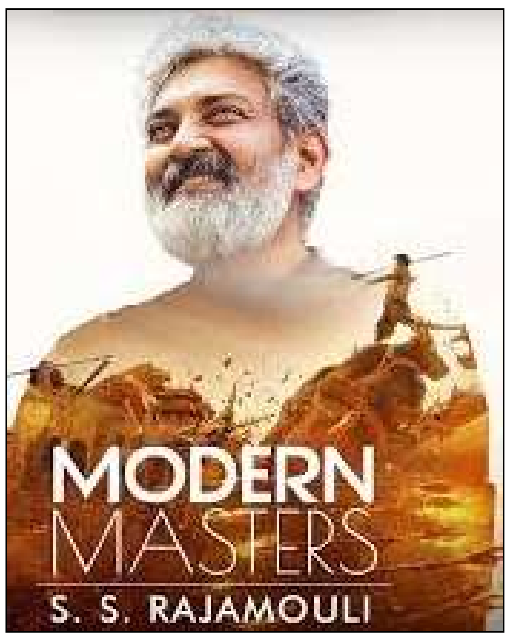

फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म यूनिट ने टीजर जारी कर दिया है। इस रोमांचक टीजर को जाने–माने निर्देशक एस.एस. राजामौली ने जारी किया और फिल्म यूनिट को बधाई दी। फिल्म में श्रीविष्णु एक शक्तिशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगे जो एक रहस्यमय हत्या के मामले को सुलझाते हैं। फिल्म की रोमांचक कहानी यह है कि कैसे नायक एक ऐसी घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाता है जिसे हर कोई एक दुर्घटना मानता है।

सुकुमार के शिष्य हुसैन शाह किरण द्वारा निर्देशित इस फिल्म में समाजावरगमना फेम रेबा मोनिका जॉन मुख्य भूमिका में हैं, जिनके साथ श्रीविष्णु मुख्य भूमिका में हैं। टीजर में कालभैरव का संगीत है, जबकि फिल्म का निर्माण संदीप गुन्नम और विनय चिलापति लाइट बॉक्स मीडिया और पिक्चर परफेक्ट एंटरटेनमेंट के बैनर तले कर रहे हैं। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म तू मेरी मैं तेरा... ओटीटी पर रिलीज, अमेजन प्राइम पर दी दस्तक

फिल्म शतू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरीच 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे लीड रोल में हैं. करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी मेगा–बजट फिल्म शतू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरीच बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कलेक्शन नहीं कर पाई थी. लेकिन समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित ये एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो अपनी लव स्टोरी के लिए काफी चर्चा में रही है.

कार्तिक आयर्न की फिल्म शतू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरीच सिनेमाघरों में रिलीज के बाद अब डिजिटल के दर्शकों तक पहुंच चुकी है, जिससे वो घर बैठे इस हल्की–फुल्की प्रेम कहानी को देख सकते हैं. इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है. जो लोग सिनेमाघरों में ये फिल्म नहीं देख पाए थे, उनके लिए ये अच्छा मौका है. शतू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरीच फिल्म 19 फरवरी यानी आज से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है. स्ट्रीमिंग पार्टनर द्वारा फिल्म की ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट की गई. इसके बाद इंटरनेट पर यूजर्स ने इसपर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है. एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आखिरकार आ ही गई. तो दूसरे ने लिखा श्बहुत एक्साइटेड हूं. फिल्म की कहानी दो अलग–अलग सोच रखने वाले युवाओं के इर्द–गिर्द घूमती है. हीरो एक मॉर्डन, आत्मनिर्भर और करियर–ओरिएंटेड युवा है, जिसे रिश्तों में बंधना ज्यादा पसंद नहीं. वहीं हीरोइन एक ऐसी लड़की है जो प्यार करना तो जानती है पर सच्चे प्यार की तलाश में है. दोनों की मुलाकात एक अनोखे हालात में होती है. शुरुआत में उनके विचारों में टकराव दिखता है, लेकिन धीरे–धीरे यही नोकझोंक दोस्ती और फिर प्यार में बदल जाती है. कहानी में रिश्तों की उलझन, परिवार की एक्सपेक्टेशन और सपनों के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश दिखाई गई है. फिल्म में ये दिखाया गया है कि सच्चा रिश्ता समझ और सम्मान पर टिकता है. अगर आपको हल्की–फुल्की और रोमांटिक कॉमेडी देखना पसंद है, तो इस फिल्म को देखना आपके लिए एक बेहतर ऑप्शन रहेगा. भले ही थिएटर में इसे बड़ी सफलता न मिली हो, लेकिन ओटीटी रिलीज ने इसे नया मौका दिया है. डिजिटल के दर्शकों से फिल्म के मेकर्स को काफी उम्मीद है.

अपनी डाइट में इन तरीकों से शामिल करें मल्टीग्रेन, स्वास्थ्य के लिए हैं फायदेमंद

मल्टीग्रेन पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पाचन को सुधारने, वजन नियंत्रित करने और ऊर्जा बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे मल्टीग्रेन के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन रोजाना करने से आपको कई बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

बाजराः बाजरा एक ऐसा अनाज है, जो बिना ग्लूटेन के होता है और इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। यह पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है और वजन नियंत्रित करने में भी सहायक है। बाजरे का सेवन करने से शरीर को जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स भी मिलते हैं। आप इसे सलाद में डाल सकते हैं या फिर इसे दलिया के रूप में भी ले सकते हैं।

ज्वारः ज्वार भी बिना ग्लूटेन के होता है और इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। यह प्रोटीन का अच्छा स्रोत भी है, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। ज्वार का सेवन करने से दिल की बीमारी का खतरा कम हो सकता है और रक्तचाप को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है। आप इसे दालों के साथ या फिर खिचड़ी के रूप में भी बना सकते हैं।

रागीः रागी एक ऐसा मल्टीग्रेन है, जो कैल्शियम और आयरन से भरपूर होता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है और खून की कमी से बचाए रखने में भी सहायक है। रागी का सेवन करने से वजन नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है और त्वचा को भी पोषण मिल सकता है। आप इसे खीर या फिर इडली के रूप में खा सकते हैं।

ओट्सः ओट्स में एक खास प्रकार का फाइबर होता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा ये मधुमेह के जोखिम को कम करने में भी सहायक हैं। ओट्स का सेवन करने से पाचन क्रिया भी स्वस्थ रहती है। आप इसे दलिया के रूप में खा सकते हैं या फिर इसे कुकीज और ब्रेड के रूप में भी बना सकते हैं।

क्विनोआः क्विनोआ एक ऐसा अनाज है, जिसमें सभी प्रकार के जरूरी अमीनो एसिड पाए जाते हैं। यह प्रोटीन का अच्छा स्रोत होने के साथ–साथ फाइबर से भरपूर होता है। क्विनोआ का सेवन करने से पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है। क्विनोआ को आप पुलाव या फिर सलाद के रूप में खा सकते हैं। इसके अलावा आप इसे अपने किसी भी व्यंजन के साथ जोड़ सकते हैं।